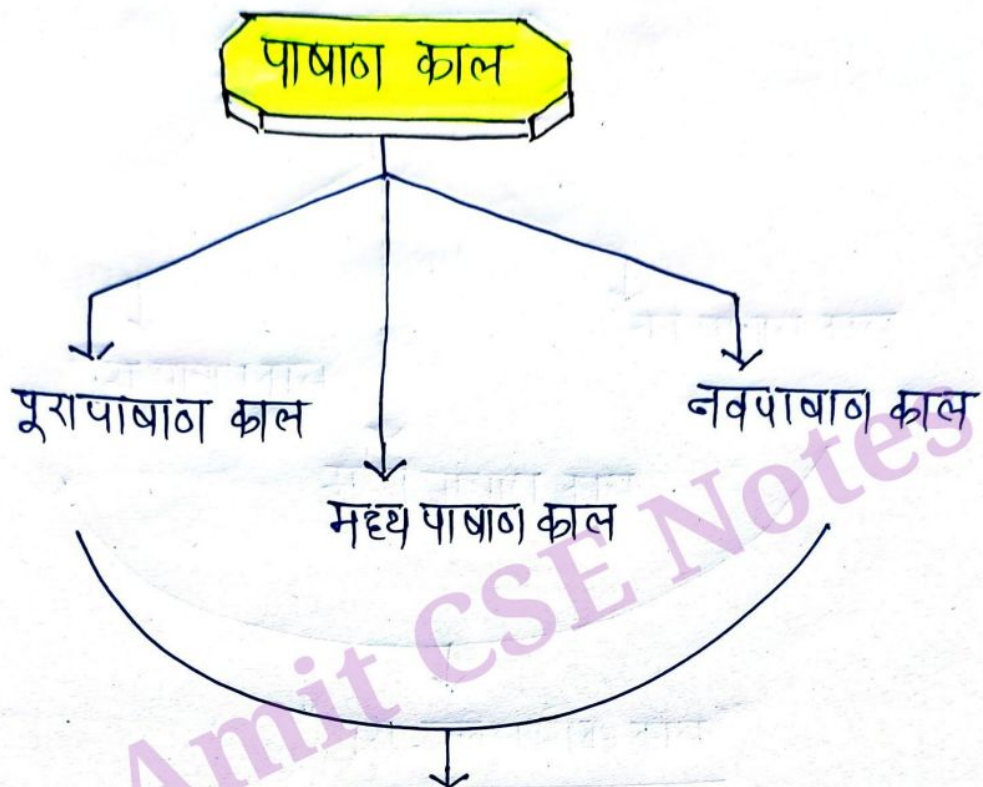


"प्राचीन इतिहास"



ऐतिहासिक काल

↓
जानकारी पुरातात्विक + साहित्यिक दोनों पर हो

सिंधु घाटी सभ्यता :-> "आद्य ऐतिहासिक काल"

↓
लिखित स्रोत हैं या लिपि
लेकिन अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है।

बाद के काल खंडों को ऐतिहासिक काल कहा जाता है।

तीन कालखण्ड

पूरा ऐतिहासिक → Stone Age
पाषाण काल

आद्य ऐतिहासिक

ऐतिहासिक काल

सिंधु घाटी सभ्यता

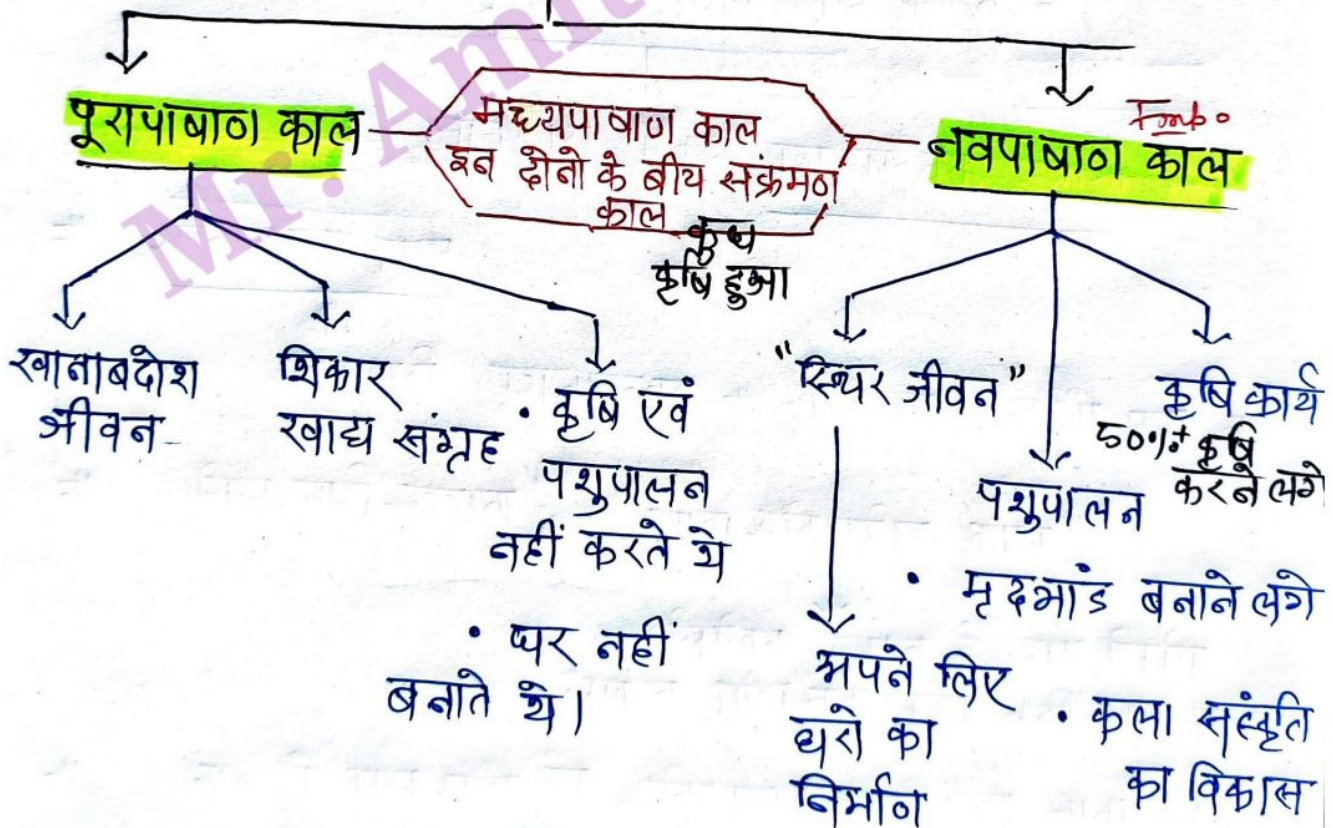
कास्थ्युगीन
सभ्यता

"पाषाण काल"

पत्थरों का उपयोग

*

पाषाण काल का जीवन



9000 B.C ←

महयुगपाषाण काल

① काल
9000 B.C

② भौगोलिक
परिवर्तन

पहले का काल

बरफ की
याद
जीवन
सरल नहीं

← प्लीस्टोसीन काल

"होमोसीन काल" → दुनियाँ की दो-तिहाई

↓ इसी काल में (महयुगपाषाण)

मनुष्य ने सबसे पहले कुत्ता को पालतू बनाया था

↓ पशु पालन + श्वेती पौधा बहुत होने लगा

③ भारतीय स्मृत्य

④ विशेष प्राप्तिर्मा

⑤ उपकरण

⑥ जीवन

महयुगपाषाण काल

"उपकरण"

महयुगपाषाण काल

माइक्रोलिथ

सूक्ष्म पाषाण

भाला एवं तीर प्रकार

जीवन

महयुगपाषाण काल

→ संक्रमणकालीन जीवन

→ खाद्य संग्रह 9000-10000 शिकार

कुंड में रहते थे

→ कार्य विभाजन शुरू हो गया था

बहुत सारा इलाका मानव रहने के लिए अनुकूल बन गया

↑ ऊपर उठे समुद्र का तल बहुत गया

गर्म हवाएँ चली

बरफ की पट्टी पिघल गई

भीमबेटका पशु → पशुपालन प्रमाण

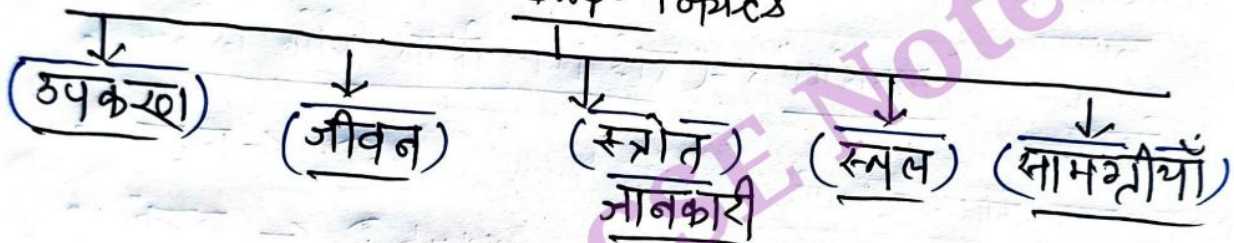
→ बोअर पशु सबसे महत्वपूर्ण था

सबसे श्रेष्ठ पेंटिंग

साँप की पेंटिंग नहीं मिली → upendras singh
डाँत कहा गया

नवपाषाण काल

Impo Topics

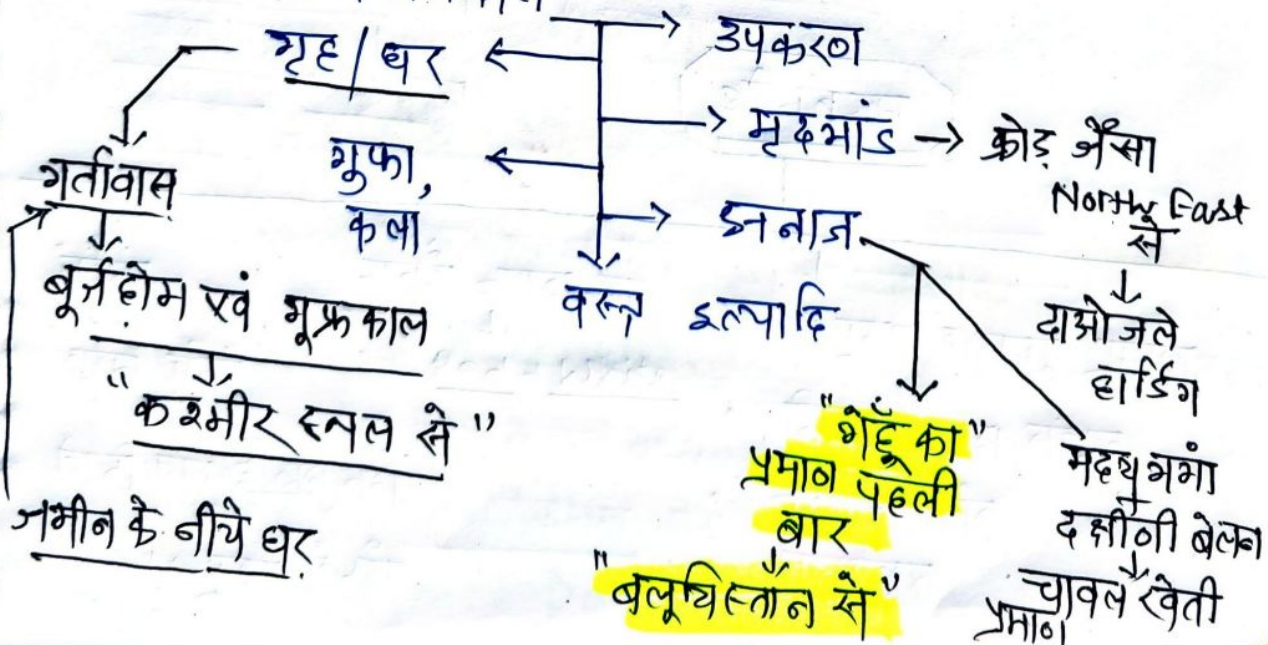


(उपकरण) → पहिएँ का आविष्कार हो गया औज़ार पॉलिश

(जीवन) → 50% + लोग खेती

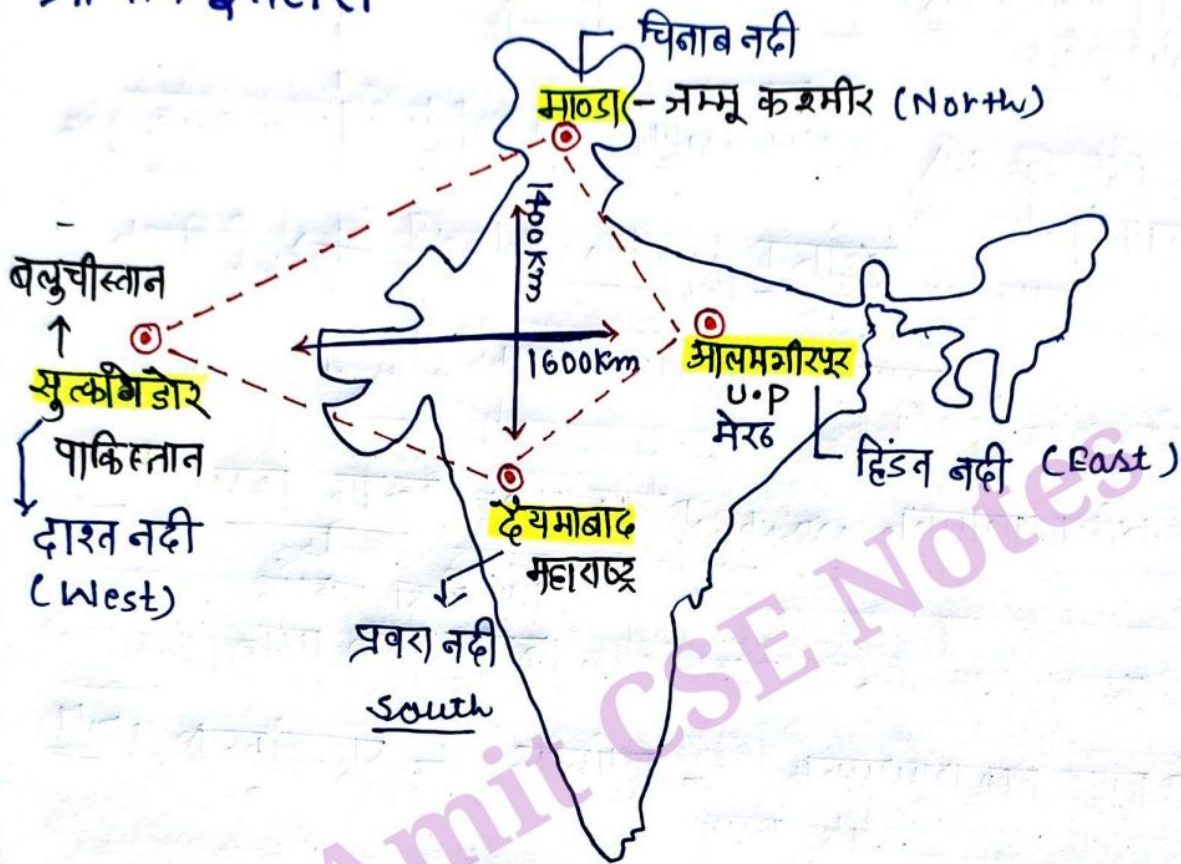
घर बना | मृदभांड | पशुपालन

(स्रोत) → नवपाषाण काल



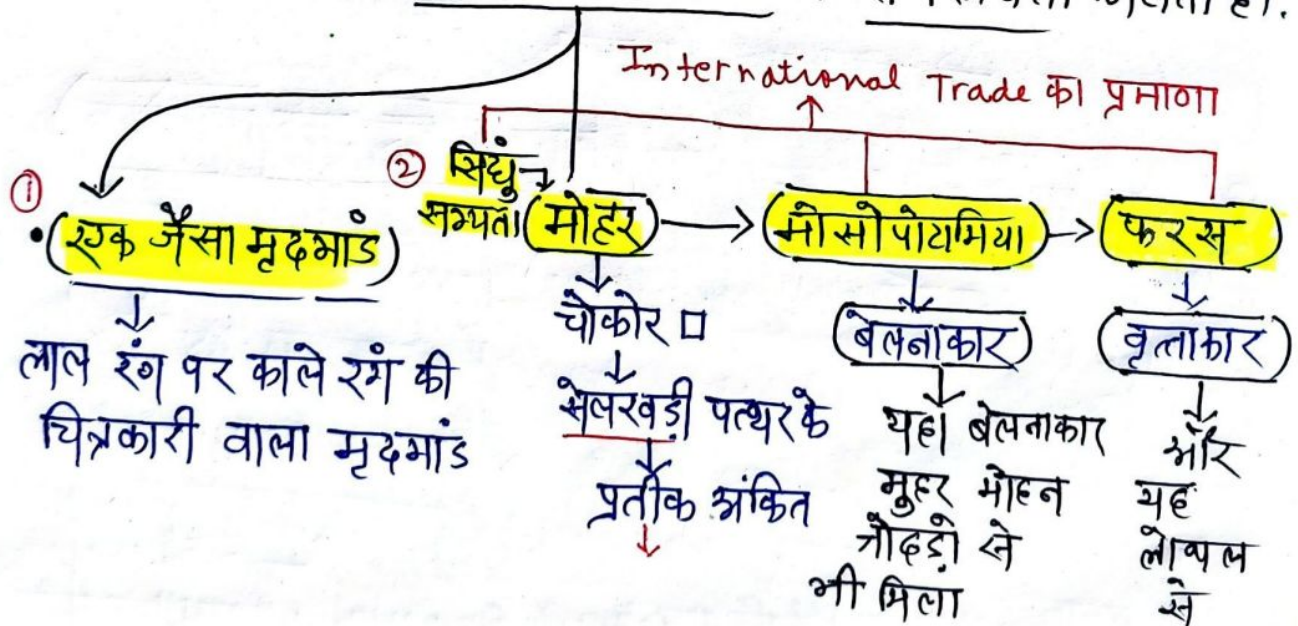
UPSC/PCS CH-2 सिंधु घाटी सभ्यता

"प्राचीन इतिहास"



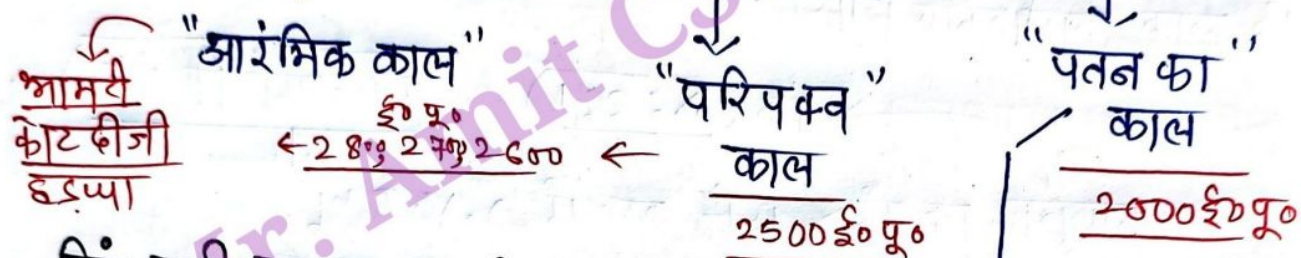
* समता

आरे स्थलों से जीवन रूपी समता या "समरूपता" मिलती है।



Note इसमें हड़प्पा का सबसे सबसे पहले खुदाई इसलिए इसे हड़प्पा सभ्यता भी कहते हैं.

सिंधु घाटी सभ्यता का काल



सिंधु घाटी सभ्यता का विकास

- क्रमिक रूप से
- सैकड़ों वर्षों से गुजरते हुए
- कई क्षेत्रीय संस्कृतियों के मध्य ताल-मेल से

- मोहिंमूचीपुर डाल
- कार्यों का हमला हुआ (सबसे कम मान्य)
- बाढ़ के कारण पतन
- ↓
- मार्शल डाल

सिंधु घाटी सभ्यता जानकारी स्रोत

- मोहर
- मैनका
- मृदभांड
- मूर्ति
- भवन
- वस्त्र
- भोजन
- मनोरंजन के साधन आदी

- भूवर्तनीक विश्लेषण
- ↓
- दयालम सहनी एवं लैम्ब्रेक
- पर्यावरणीय संकट
- ↓
- फेयर सर्विस द्वारा

अर्नोल्डवल्सा → (मृदा) → मृदभांड — मूर्तियाँ

(वरुन) → "कपास की खेती महत्वपूर्ण"

(नोट) → मैसेपोटामिया के राजा के अभिलेख से सिंधु घाटी सभ्यता को मेलूहा कहा गया
अथवा पहचान

सिंधु घाटी सभ्यता समाज

-
- बर्तकी मूर्ति पाई गई
- भूम शवाधान → सती का प्रमाण - लौषल
- पुरोहित एवं व्यापारिक समाज
- मजदूर वर्ग → आवास का प्रमाण हड़प्पा से
अभिक
- समाज वर्गीकृत है एवं नगरीय है।

मूल के लोग
रहते थे

सिंधु घाटी सभ्यता
में

- मंगोलिचार्ड
- भूमध्यसागरीय
- अल्पाइन
- प्रोटे ऑस्ट्रेलियाई

जल प्रबंधन
नगर विनियोजन
महत्वपूर्ण हिस्सा

- नदियों के किनारे बसे
- समुद्र किनारे शहरे पानी केन्द्र की ओर बसे व्यापार प्रयोग के लिए
- टीले पर बसते थे
- कुआँ खोद करके के लिए जल

"Best Example"

जलाशय

Water Storage

सबसे ज्यादा मोहनजोदड़ो से मिला है।

"चौलावीरा"



दरवाजा गली की ओर खोलते थे

केवल लोबल से दरवाजा मुख्य मार्ग की ओर खुला

खेलकुद

→ शतरंज का उपयोग सबसे पहले सिद्धि सम्प्रदाय में

→ गिलगमेश खेल का प्रयोग - एक आदमी दो शेरों से खेलता है। या लड़ता है दृश्य

→ खेल का "स्टैडियम"

चौलावीरा से मिला है।

सिंधु घाटी सभ्यता उत्खननकर्ता

(स्थल)

(उत्खननकर्ता)

हड़प्पा	→	दयाराम साहनी
मोहनजोदड़ो	→	रखालदास बनर्जी
कालीबंगा	→	बी० बी० लाल
लोथल	→	संगनान शर्मा
खोलावीरा	→	उ.प. जोशी, R.S. विष्ट
शरणीगढ़ी	→	सुरजमाल

सबसे बड़ा स्थल to छोटे स्थल

1. शरणीगढ़ी → 2. मोहनजोदड़ो → 3. हड़प्पा • 4. खोलावीरा

↓
5. लोथल

(नगर)

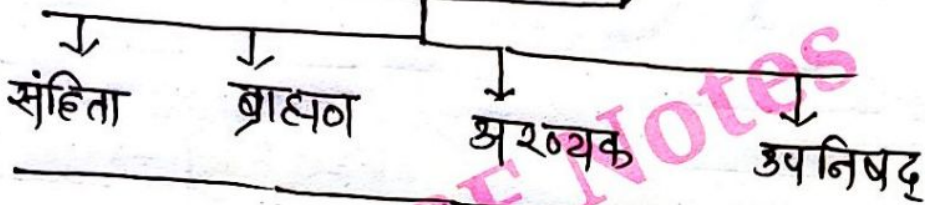
बड़ी किनारे बसे नगर

(नदी)

वर्तमान

- हड़प्पा → शरी → पाकिस्तान (पंजाब)
- मोहनजोदड़ो → सिंधु → सिंध
- चन्द्रदड़ो → सिंधु → सिंध
- रोपड़ → सतलज → पंजाब भारत
- कालीबंगा → सरस्वती → राजस्थान
- शरणीगढ़ी → सरस्वती - हरिजाना
- खोलावीरा → मनसर, मनहर कुछ गुजरात
- मांडा - पिनाब → जम्मू
- लोथलगेडोर → श. दाश्क → South Baluchistan
- दाशमाबाद - प्रकाश नदी
- आलमगीरपुर - हिंडन नदी

वैदिक साहित्य



1. ऋग्वेद

2. सामवेद

3. यजुर्वेद

4. अथर्ववेद

"वैदिक साहित्य" चारों पुस्तकों को कहा गया

इन सभी को अपौरुषेय कहा जाता है

नित्य

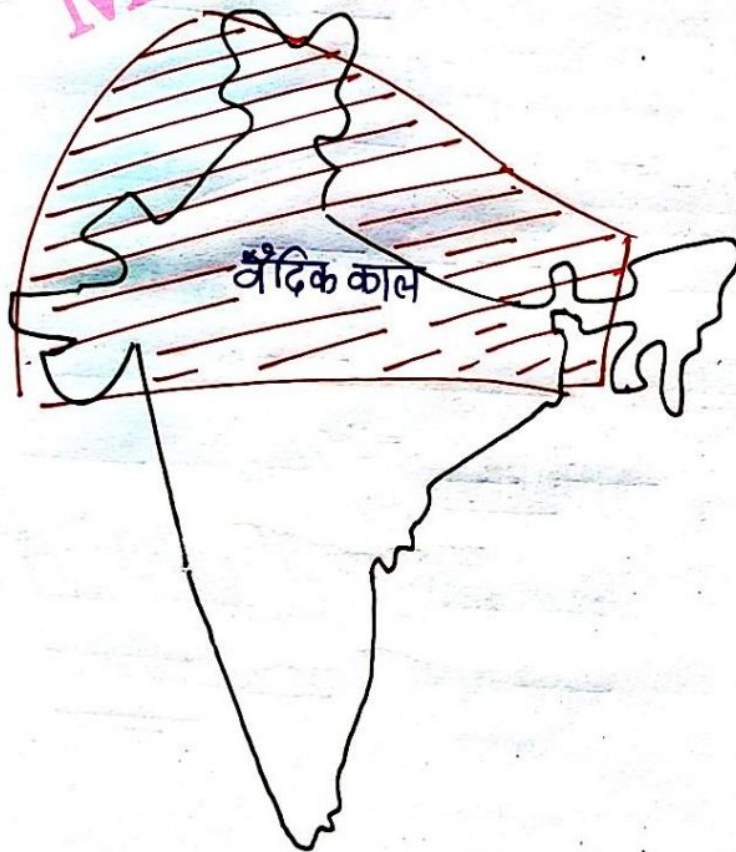
Shruti साहित्य

① (ऋग्वेद)

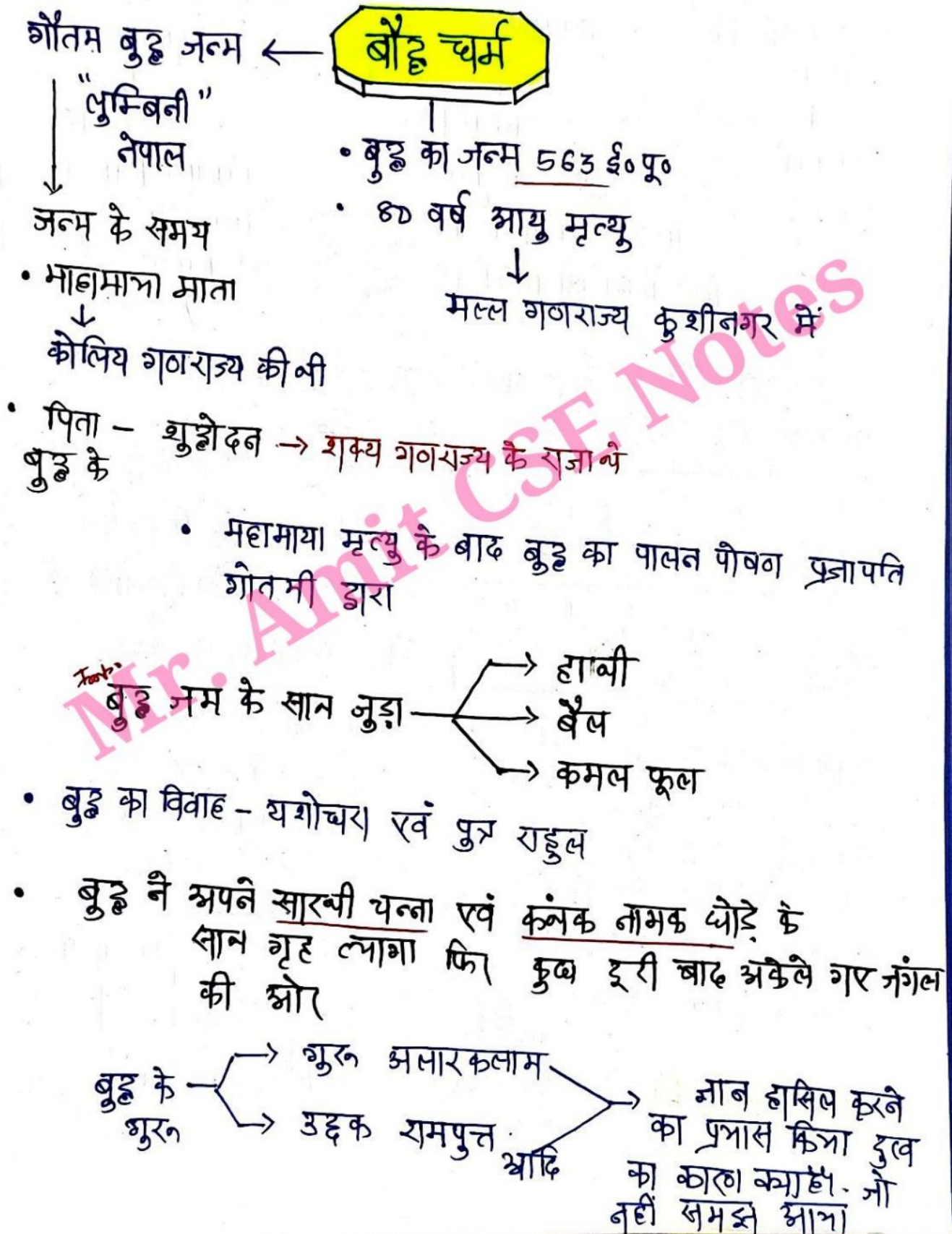
"ऐतरेय ब्राह्मण और"
कौषीतकी ब्राह्मण

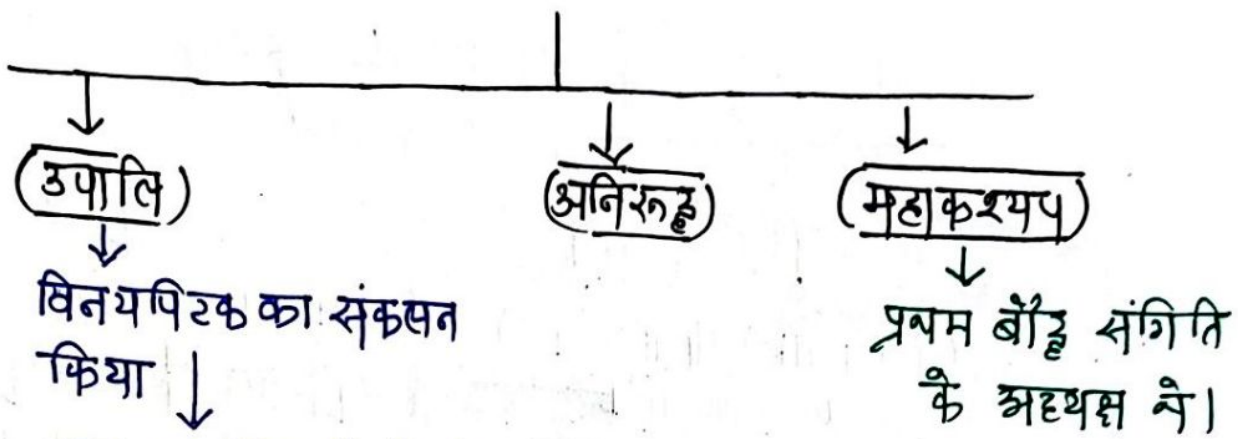
② (सामवेद)

पंचविश ब्रह्ममण मन्त्रवर्ण



"प्राचीन इतिहास"





बुद्ध द्वारा भिक्षुओं के लिए नियमावली बताई गई थी एवं सामान्य उपासकों के लिए भी

प्रजापति गौतमी भी शिष्या हो गई थी

↓
आनंद के समक्षाने पर महिलाओं को सब में प्रवेश मिला

आम्रपाली भी शिष्या
विशारवा भी शिष्या

बौद्ध धर्म की विचारधारा

→ बुद्ध के शिक्षा के मुख्य बिंदु

अनिश्वरवाद

↓
ईश्वर नहीं हैं "इसलिए वेद के प्रमाण के तौर पर नहीं मानते हैं।"
↓
नारस्तिक

अनात्मवाद

अनित्यवाद

प्रतित्यसमुत्पाद

दुःखवाद

↓
कर्मफल

↓
पुनर्जन्म

↓
निर्वाण

↓
महापरिनिर्वाण

आर्यसत्य

↓
दुःख हैं

कारण हैं।

निवरण हैं।

अष्टांगिग मार्ग हैं।

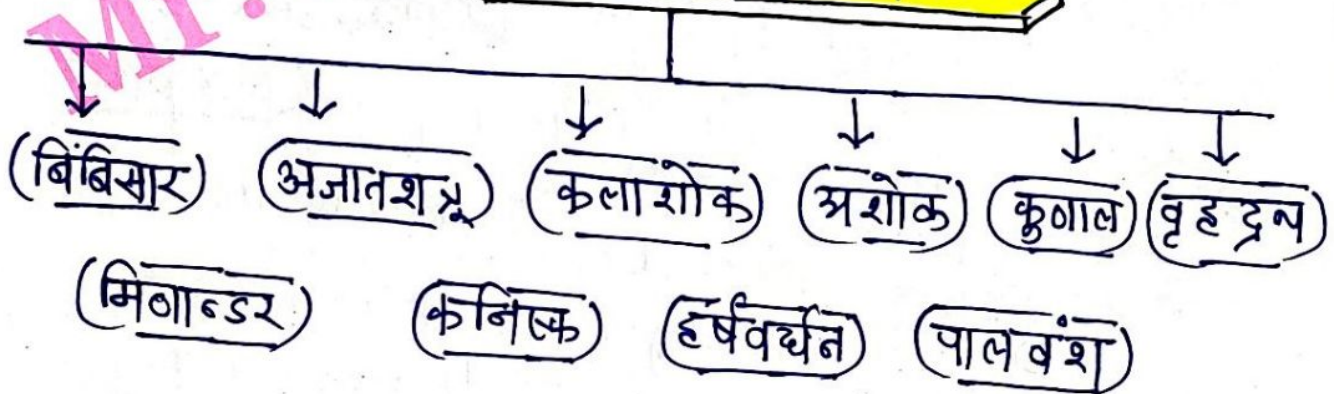
"पतिमोक्ष नियम" → विनयपिटक से

उपोसथ → अपनी गलतियों को स्वीकारना एवं उसका प्रायश्चित्त करना

• # प्रवज्जा → पहला प्रवेश, संघ के स्नायी सदस्य नहीं कई वर्षों तक पठन पाठन के बाद स्नायी सदस्य

उपसम्भवा → इसके तहत संघ में पूर्ण सदस्य हो जाते हैं।

बौद्ध धर्म के प्रमुख संरक्षक



अन्य संरक्षक → • जैनी संघों का

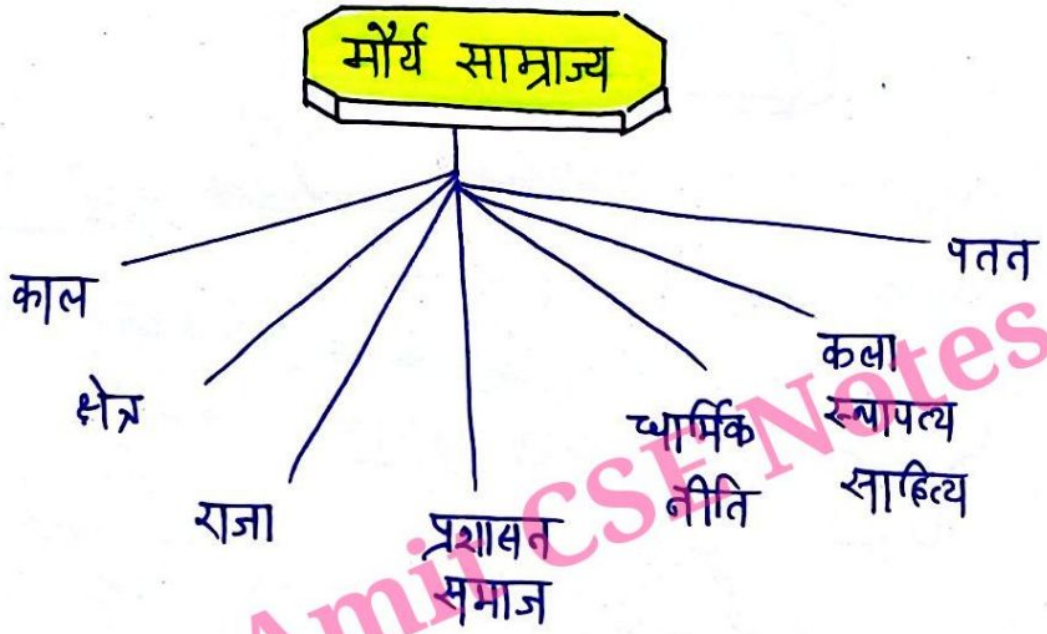
आपारि

• अनामपिंडक → अंतर्वन विहार की दान की

• सदलपुत्र

UPSC/PCS CH-7 मौर्य साम्राज्य

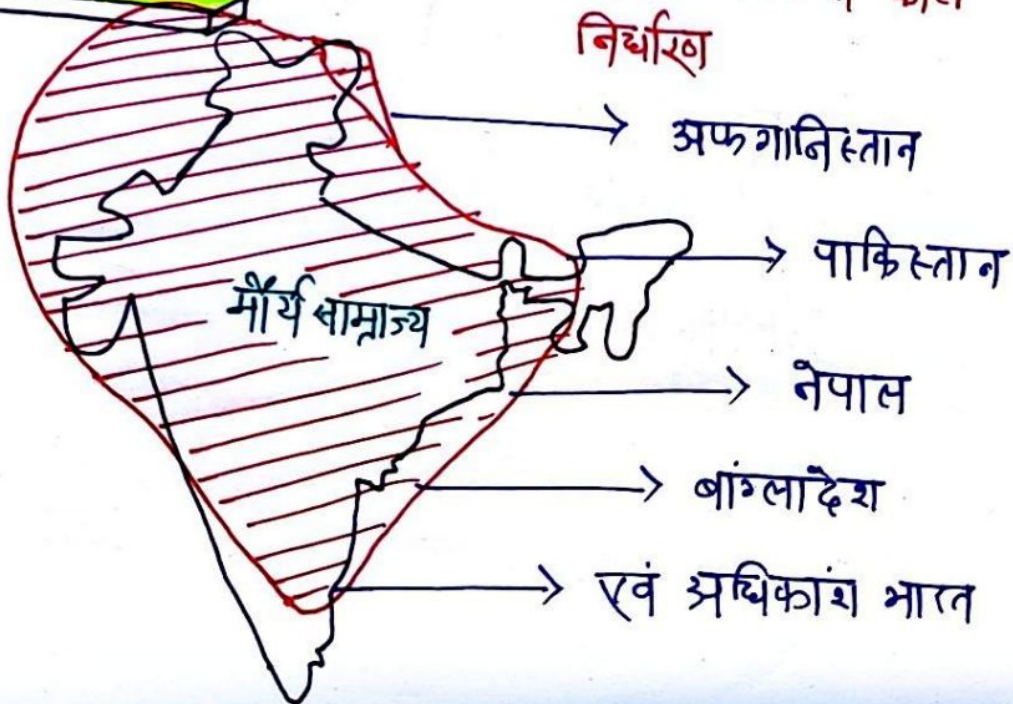
"प्राचीन इतिहास"



(मौर्य साम्राज्य काल) → 321-185 ई० पू०

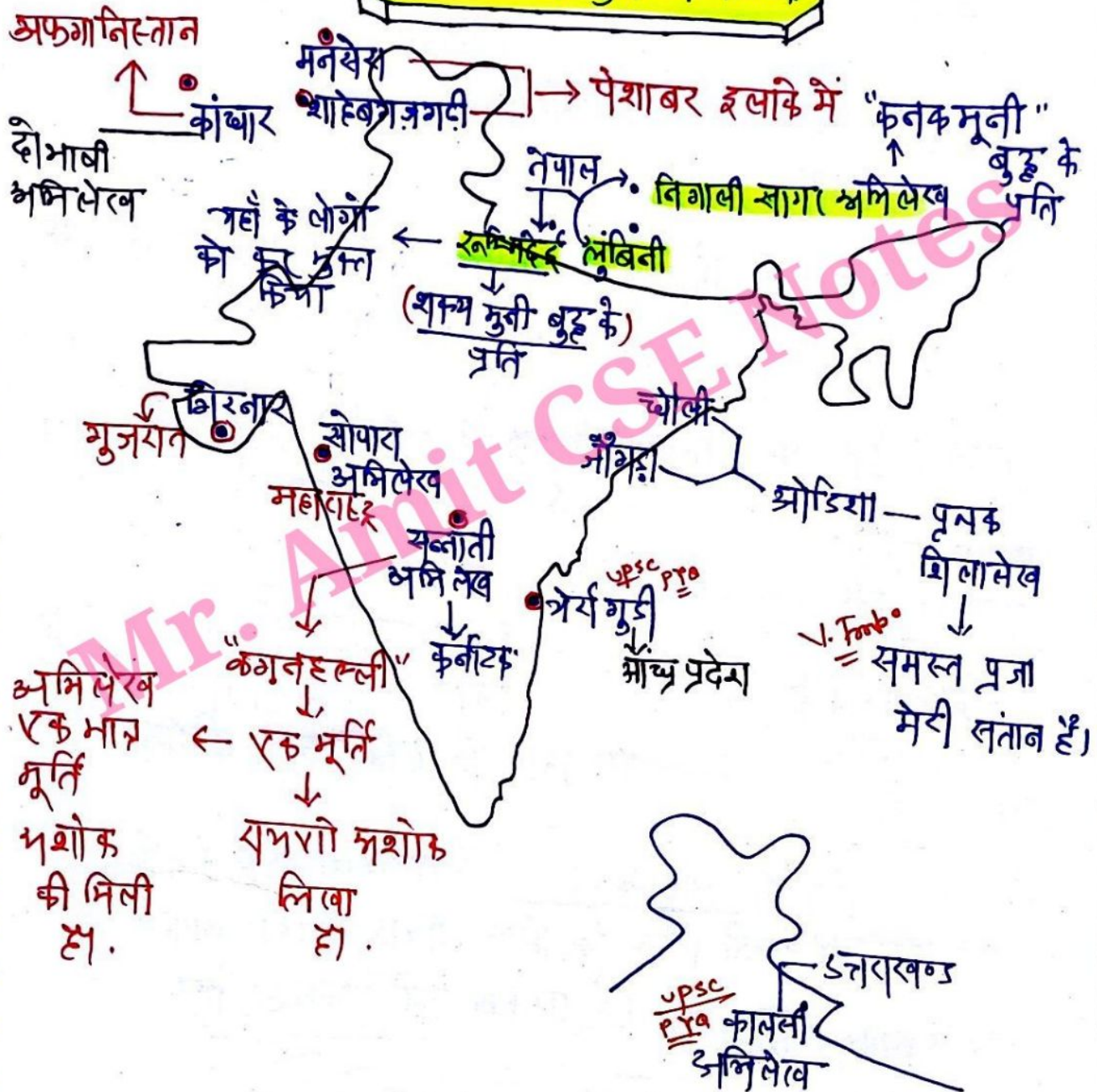
↓
ग्रीक स्त्रोत से काल निर्धारण

मौर्य साम्राज्य क्षेत्र



मौर्य राज के निर्धारण दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण
स्रोत अशोक का अभिलेख सबसे महत्वपूर्ण है।

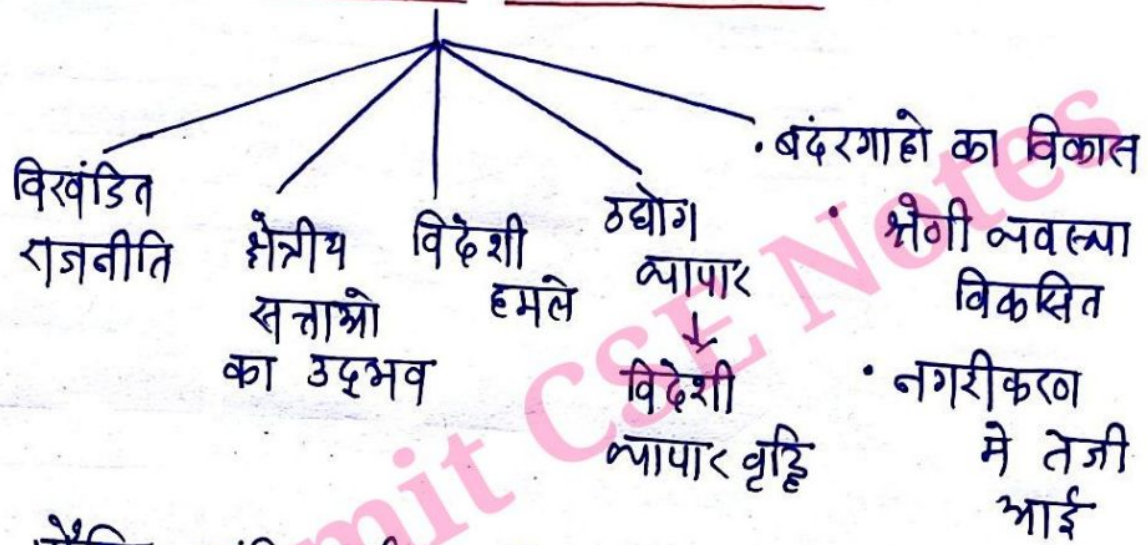
अशोक के प्रमुख अभिलेख



UPSC/PCS (CH-8) मौर्योत्तर काल

मौर्योत्तर काल

मौर्य काल के बाद का काल



- मौद्रिक क्रांति आई | भूमि अनुदान शुरूआत।
- राजा अशोक ब्राह्मण धर्म के पोषक हैं।
- चर्म शास्त्रों - स्मृतियों की रचना
- वेद का संकलन
- महाकाव्य की रचना
- स्तूप एवं गुफाओं का विकास हुआ है।
- मूर्तिकला विशेषतः - गंधार - मथुरा कला का विकास एवं भाग्यनात्मक मूर्तिकला का विकास
Special → साँची + अमरावती में

कुषाण वंश



- महद्य रुशिया से भारत आए
- यूची जाति के चीनी कबीले से थे
- कुजुल कड़फिसिल एक शासक
- बिम कड़फिसिल → भारत में पहली बार स्वर्ण सिक्के जिसमें शासक के नाम अंकित किए चलाए

* कुषाण वंश का सबसे महत्वपूर्ण शासक

चीन से युद्ध किया एक बार हारा एक बार जीता

कनिष्क

→ यह ऑक्सस नदी से लेकर बनारस तक शासन किया

मगध पर जीत हासिल किया मगर शासन नहीं

अवश्वबोध को मगध के क्षेत्र से लाया था

Note → • हीनयानों की पुस्तक — पाली भाषा

• महायानों की पुस्तक — संस्कृत भाषा में होती थी।

* कनिष्क साम्राज्य के चार प्रांत थे एवं इनके गवर्नरों को महामात्र कहा गया

↓
वनवर्मा खरपल्लान

UPSC/PCS (CH-9) "गुप्त काल"

"प्राचीन इतिहास"

गुप्त काल

275 AD श्रीगुप्त
इससे पहले

"काल"

319 AD से - चन्द्रगुप्त प्रथम से गुप्त संवत् से
शुरुआत होती है।

वास्तविक संस्थापक
गुप्त वंश

चन्द्रगुप्त प्रथम शासन
↓
मगध से बनारस
तक शासन करता
था



• "चन्द्रगुप्त प्रथम"

↓
राजा रानी प्रकार का सिक्का
चलाया

• "समुद्रगुप्त"

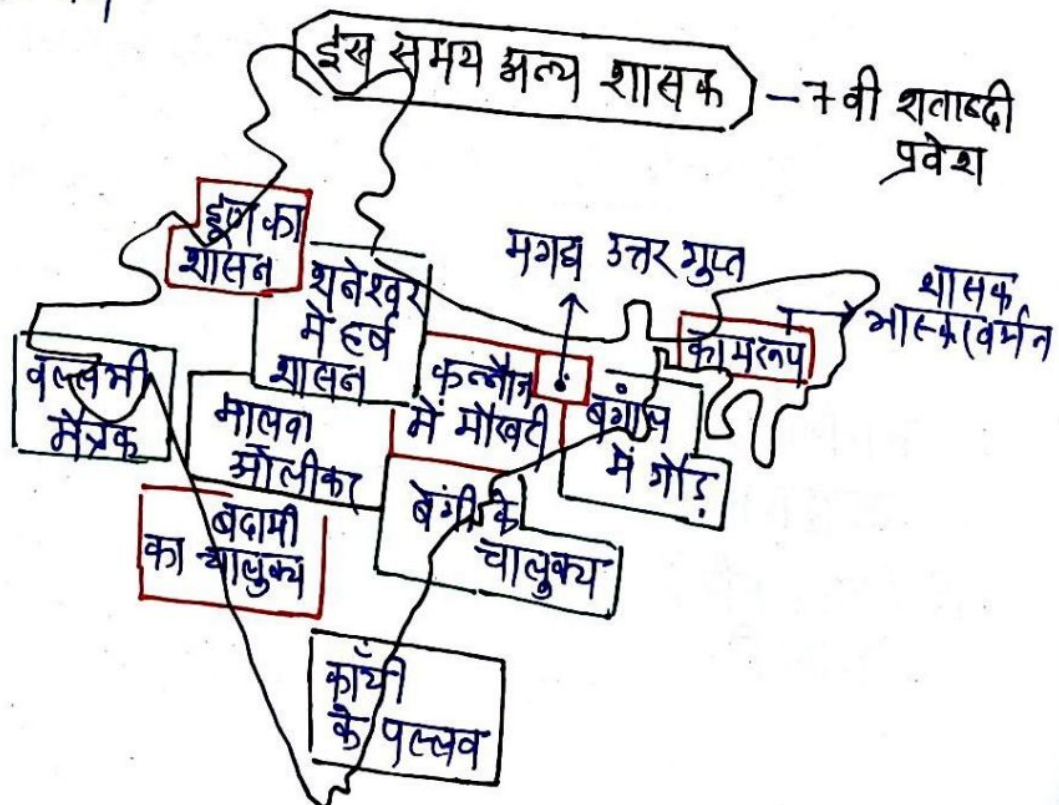
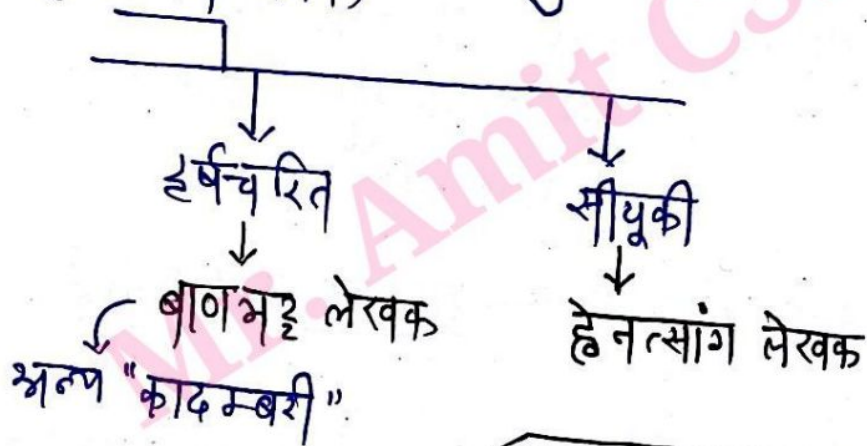
↓
अपने सिक्के पर लिच्छवी देवहिम
की अंकित करवाया था

• 319 AD to 335 AD तक
→ चन्द्रगुप्त प्रथम का काल था

375 AD तक का काल
समुद्रगुप्त का काल है।



(सबसे महत्वपूर्ण)
(जानकारी स्रोत)



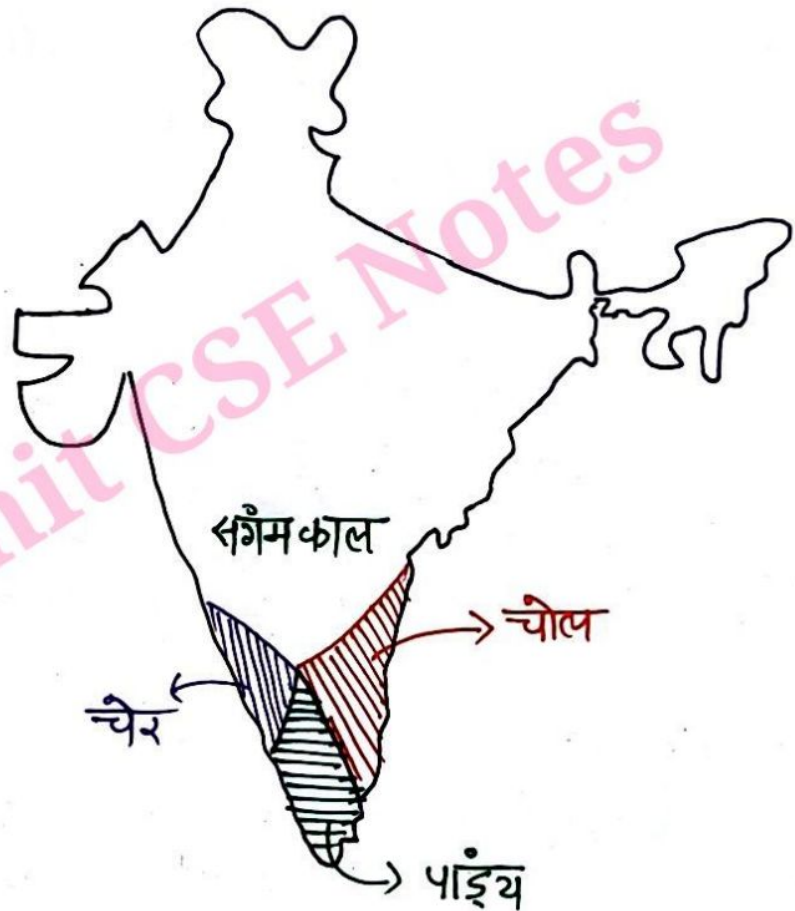
"UPSC/PCS" (CH-II) → संगम काल

अनुमानित काल ← संगम काल
↓
2nd सदी ई० पू. जानकारी का मुख्य स्रोत संगम साहित्य
4th सदी ई० पू. तक

↓
इसके अलग
अलग भी अनुमान हैं।

इसके अन्य स्रोत

- अशोक अभिलेख से
- मेगास्थनीज से
- विदेशी अर्थात् रोमन सिक्के से
- Plini Strabo Periplus of the Erythraean Sea
- मुजरिस में रोमन बस्ती
- अभिलेख → Tamil Brahmi में
- उरुधूर - कपड़े की रंगाई का हौज एवं जवात क्षेत्र



UPSC/PCS CH-1 पूर्व मध्यकाल

पूर्व मध्यकाल

750-1200 ई०

- सामन्तवाद
- राजपूत के उद्भव
- त्रिपक्षीय संघर्ष
- सिंध पर अरब हमला
- महमूद गजनवी का हमला
- क्षेत्रीय राज्य
 - कश्मीर
 - ओडिशा
 - प्रतिहार
 - एवं इसके विघटन से उभरने वाले राज्य
- दक्कन
 - राष्ट्रकूट
 - कल्याणी के चालुक्य
 - वेङ्गी के चालुक्य
 - बिलखाव से कई राज्य
- दक्षिण भारत
 - चोल
 - पांड्य

सामन्तवाद

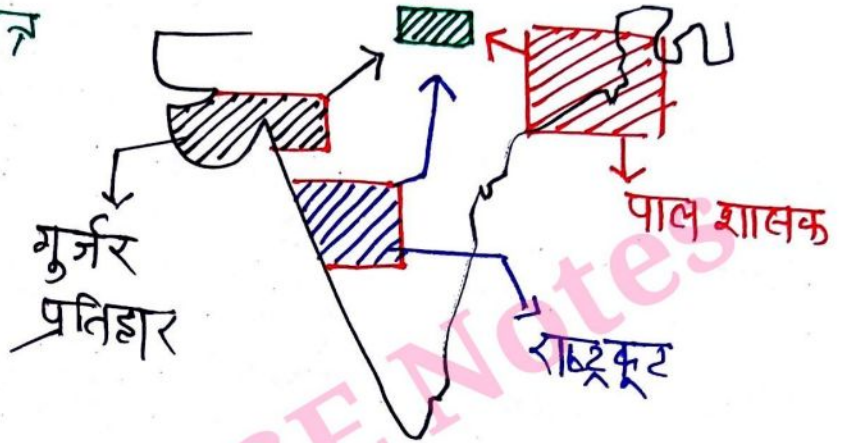
- क्षेत्रीय लक्ष्य
- कमजोर राजा
- भूमि अनुदान
 - ताम्रपत्र लेख
 - लेखापट्टि
 - गुजरात इतिहास जानकारी
- विकास क्रम
 - खातवाहन
 - गुप्तकाल (नगादभी)
 - हर्षवर्चन अनुदान से वेतन
- उभार का कारण
 - त्रिपक्षीय संघर्ष
 - महमूद गजनवी का हमला
 - भूमि अनुदान

त्रिपक्षीय संघर्ष

8वीं - 10वीं सदी के मह्य
जो 10वीं सदी के आरंभ तक रहा

महोदय भी
कहा गया

कन्नौज के क्षेत्र
के लिए



• उर्वर राजस्व

• उद्योग एवं व्यापार → राजस्व

• सामरिक महत्व

• सांकेतिक राजनीति महत्व

Note → • हर्षवर्धन ने अपनी
राजधानी चानेश्वर से
स्वातंत्र्य के कन्नौज (C.P.)
बनाई।

• यशोवर्मन कन्नौज का शासक था

जानकारी मुख्य स्रोत

← (• भौंडवहो नामक पुस्तक

भौंड
↓
"बंगाल का क्षेत्र"

वाकपति नामक व्यक्ति
डाल प्राकृत भाषा में लिखा
गया

• हर्षवर्धन
• यशोवर्मन > एकलउत्तरापन
की उपाधि
ली

परिणाम एवं जीत

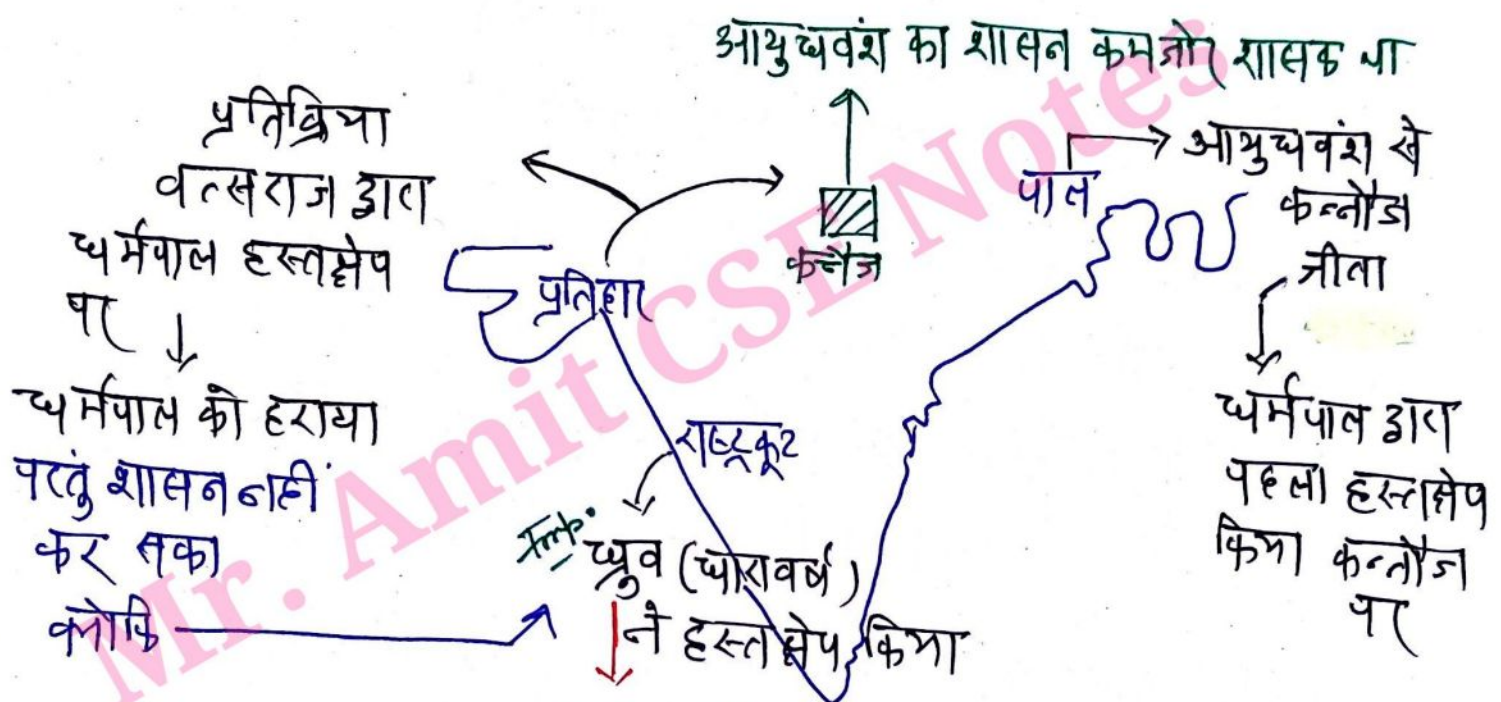
कई चरणों में

- प्रथम चरण में → राष्ट्रकूट विजय
- दूसरे चरण में → राष्ट्रकूट विजय

तीसरे एवं चौथे चरण में

पाल जीता

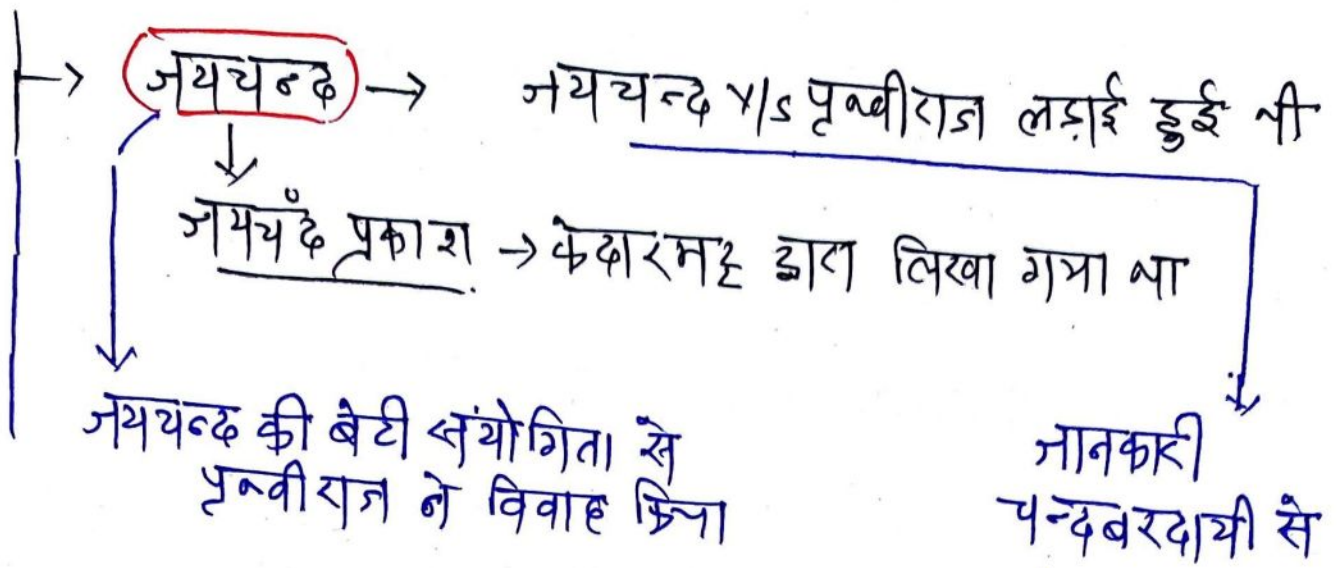
अंत में इसमें प्रतिहारों का नियंत्रण



- राष्ट्रकूटों की ओर से त्रिपक्षीय संघर्ष में हस्तक्षेप करने वाला पहला शासक उत्तर गए और प्रतिहारों को हरा के कन्नौज पर नियंत्रण किया

- इसके बाद चर्मपाल द्वारा कन्नौज पर कब्जा परंतु प्रतिहार राजा नगभट्ट II द्वारा चर्मपाल को हरा दिया

- पालें राष्ट्रकूट राजा भोविद III (सबसे शक्तिशाली राष्ट्रकूट) ने नगभट्ट एवं चर्मपाल को हराया परंतु वापस दक्षिण अपने क्षेत्र आया
- इसके बाद चर्मपाल ने कन्नौज पर कब्जा किया



- # दिल्ली को तोमर शासकों ने बसाया
- # जयचन्द चन्दावर की लड़ाई में गोरी से हार

चौहान राजवंश

संस्थापक → अजय राज

- सबसे महान शासक → विश्वराज विशकदेव → इसने हरिकेलि नामक नाटक लिखा
- पृथ्वीराज चौहान

तराई की लड़ाई गोरी के साथ

पहला
॥ ११६० ई०
जीता

दूसरा
॥ ११७२ ई०

द्वारा
खुद गोरी की सत्ता स्थापित

एक संस्कृत विश्वविद्यालय के स्तंभों के रूप में उत्कीर्ण कराया।

गोरी ने इस पर अपना नाम लिखा जो विजय के बाद

- # पृथ्वीराज चौहान ने अपने लिक्के पर लक्ष्मी का (देवी) का अंकन कराया

शष्ट्रकूट राजवंश

→ संस्थापक - ① दंतिदुर्ग

↓
हिरण्य वर्म चक्र
कराया



2. कृष्ण प्रथम

↓
एलोय कैलाश मंदिर निर्माण
करवाया

3. ध्रुव

↓
त्रिपक्षीय संघर्ष में भूमिका
जीता

4. गोविन्द III

- साम्राज्य विस्तारवादी शासक
- सज्जान / सज्जान ताम्रपत्र अभिलेख जानकारी
- त्रिपक्षीय संघर्ष में भूमिका जीता

5. अमोघवर्ष

↓

- सांस्कृतिक क्षेत्र भोगदान
- अरबों द्वारा उल्लेख उद्धार ने
- जैन धर्म को संरक्षण दिया गया
- इनके संरक्षण में जीवनैत आदि पूरा
- जैन महावीरचार्य ने गणितसारसंग्रह लिख
- कन्नड़ भाषा में पहली साहित्य किताब कविराजमार्ग है

साहित्यशास्त्र

↑

विषय

↑

कल्याणी के चालुक्य



(चुड़) →

कुड़लसंगम

चौल

4/5

चालुक्य

विजय हुआ

विक्रमादित्य '6' के काल में

विल्लह ने - विक्रमाकदेव चरित लिखा

विज्ञानेश्वर इसके दरबार में

मिताक्षरा लिखा

शिवकव्य स्मृति की टीका

अंतर्यामिका नियम बताया गया है स्त्री के पक्ष में

समपूर्ण भारत में नित्यसूत्र की किताब चलती थी

केवल

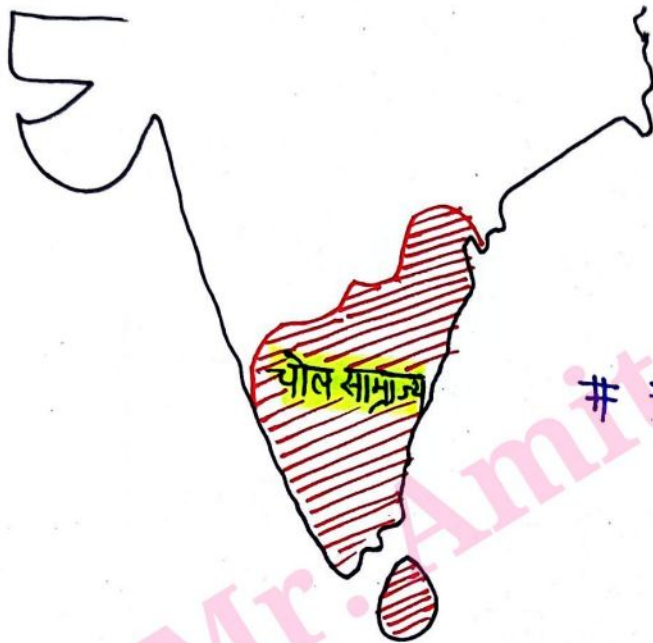
Eastern भाग में पूर्वी

"वायभाग" → लेखक निमुतवाहन की किताब follow होता था

चोल साम्राज्य

- संस्थापक - विजयालय
पहले काँची के पल्लवों का सामंत था।

850 ई० - 13वीं सदी तक



आदित्य प्रथम ने पल्लव शासक अपराजित की हत्या कर एक पहला स्वतंत्र शासक अपने आपका घोषित किया।

चोल वंश → परांतक प्रथम पहला प्रतापि शासक था

कृष्ण तृतीय (वट्टकूट) 950 ई० में तंजौर में हराया

चोल वंश के महान शासक

राजरज प्रथम
↓
राजेन्द्र प्रथम
↓
राजाविराज
↓
वीर राजेन्द्र
↓
अचिराजेन्द्र
↓
चोल - चालुक्य वंश

राजरज प्रथम

- पांड्य + केरल + मलका
- संयुक्त सेना को हराया
- कल्याणी के चालुक्य को पहली बार हराया
- वंगी के चालुक्य से वैदिक संबंध प्रारंभ किया
- मलदीव पर विजय किया
- वृहदेश्वर मंदिर तंजौर का निर्माण

महमूद गजनवी

हमला का

1001 - 1027 ई० तक

क्षेत्र हमला

वेङ्गि के हिन्दू
शासक उद्भाङ्गपुर
पर

सोमनाथ मंदिर पर

जयपाल एवं
आनन्दपाल पर

कालींजर

- कश्मीर
- आनेश्वा
- मथुरा
- कन्नौज

- पंजाब
- मुल्तान

नगरकोट
काँगड़ा का
ज्वालामंदिर

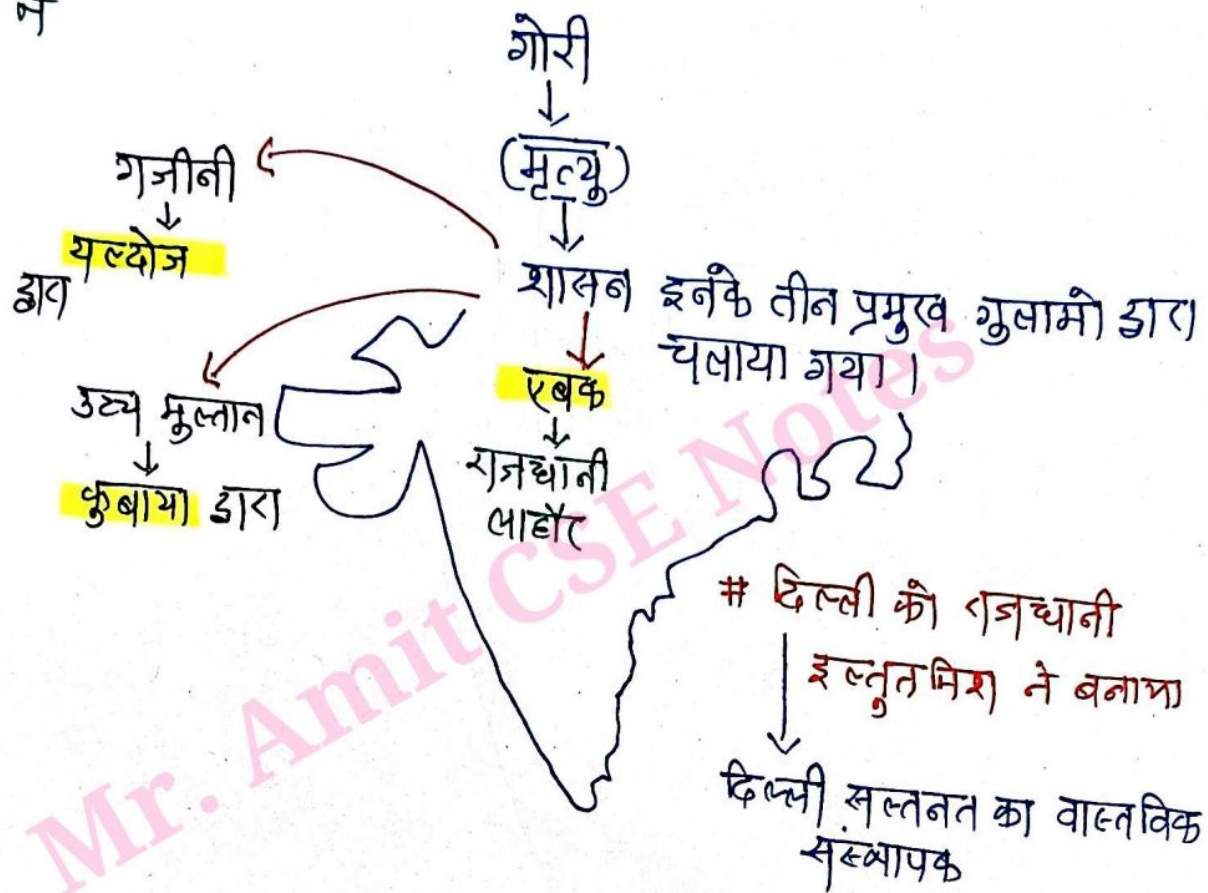
सिंध के रास्ते वापस गया

(हमला का उद्देश्य)

च्यन की प्राप्ति एवं चर्म के स्वर पर गाजी की छवि बनाने का प्रयास
भूट → खुम्स Khums → $\frac{1}{5}$ शासक एवं 80% सैनिकों को

खौखर के विद्रोह का दमन करते हुए गोरी की मृत्यु हो गई

↓
पंजाब के
ने



दिल्ली सल्तनत

↓
साम्राज्य विस्तार प्रमुख शासक



गोरी

↓
इल्तुतमिश

↓
अलाउद्दीन खिलजी

↓
मोहम्मद बिन तुगलक

↓
बहलोल लोदी

↓
सबसे कामयाब
रहा जिसमें

↓
गुजरात → हजार दिनारी
प्राप्त किया

↓
मलिक काफूर

↓
अमीर खुसरो
द्वारा भक्तिका
लिखा गया एक प्रेम कहानी

खीजराख रव देवल
यनी

↓
आलद्दीन का
दूत

अन्य विजित क्षेत्र (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष)

↓
मालवा

↓
देवघरी के
शासक

↓
आर समुद्र के
होय सल

↓
वारंगल के काकतीय
वंश

एवं मदरा के पांड्य → बूध पर नियंत्रण नहीं

• इकतादारी प्रणाली प्रारंभ इल्तुतमिश द्वारा



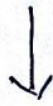
• 1235 - 1265 में यह प्रणाली कमजोर (पड़ी)



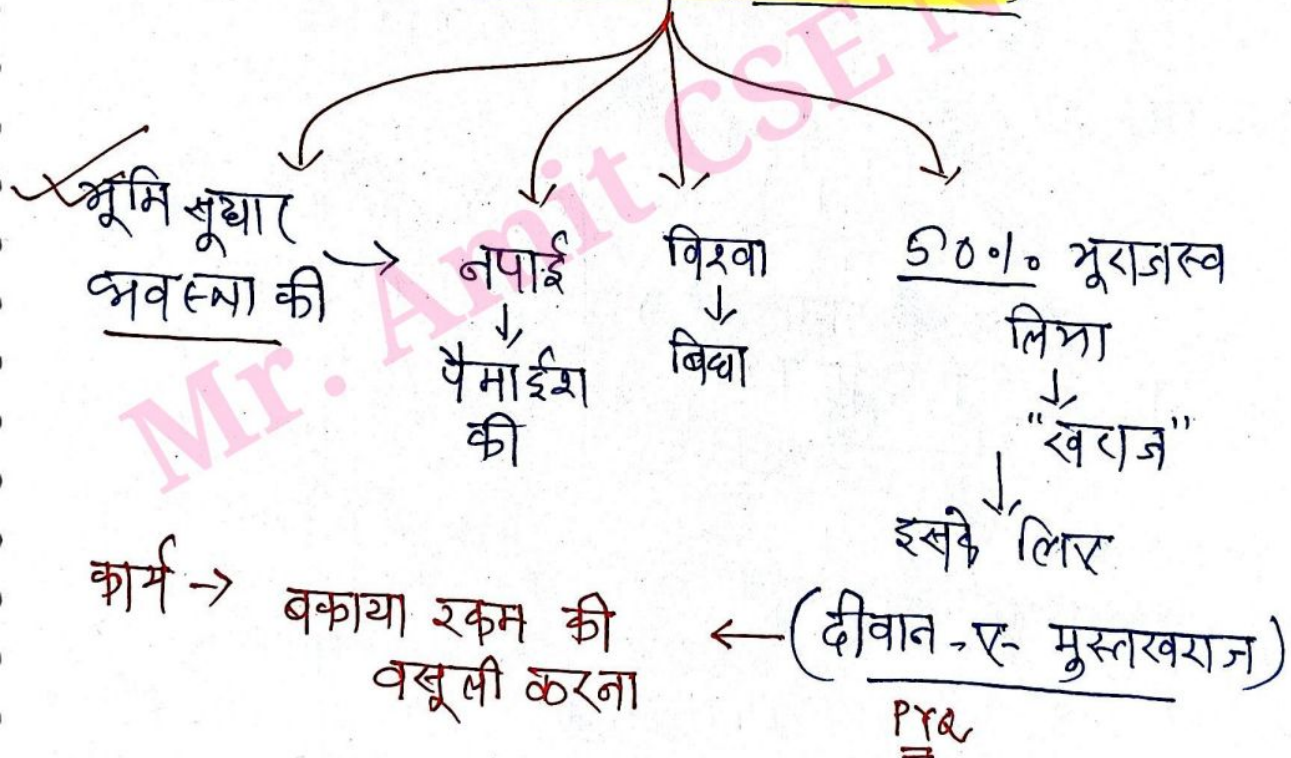
• बलबन द्वारा सुधार के लिए लखाजा की शुलभान



"फुवाजिल" की वसूली करता था



अलाउद्दीन ने सुधार के लिए



मो० बिन तुगलक → इसने इकता में दो इकतादार की नियुक्ति की

फिरोज शाह तुगलक काल में इकतादारी प्रणाली कमजोर पड़ने लगी।

- # नगर का Head → कौतबाल
- # ग्राम का Head → महल (निर्वाचित)
- # खूत → जमींदार
- # मूकद्दम → प्रधान

अमीर वर्ग की संरचना

↓
1206-90 के बीच का काल

↓
गुलाम वंश अनारुत मामलूक वंश

↓
इसे आरंभिक तुर्की प्रभुत्व का काल कहा

रजिया सुल्तान

↓
अबीसीनियाई मूल के याकूत को अमीर बनाया
आमीर-ए-आखूर

"नासीरुद्दीन" के काल

↓
तुर्की नाराज हुए था
अमीर वर्ग

↓
रेखान → नारब-ए-मुमालिकब
बनाया

भादपीप
मुल्लमान

(बलबन) → नस्लमैदी था

→ उच्च लोगों को पद दिया

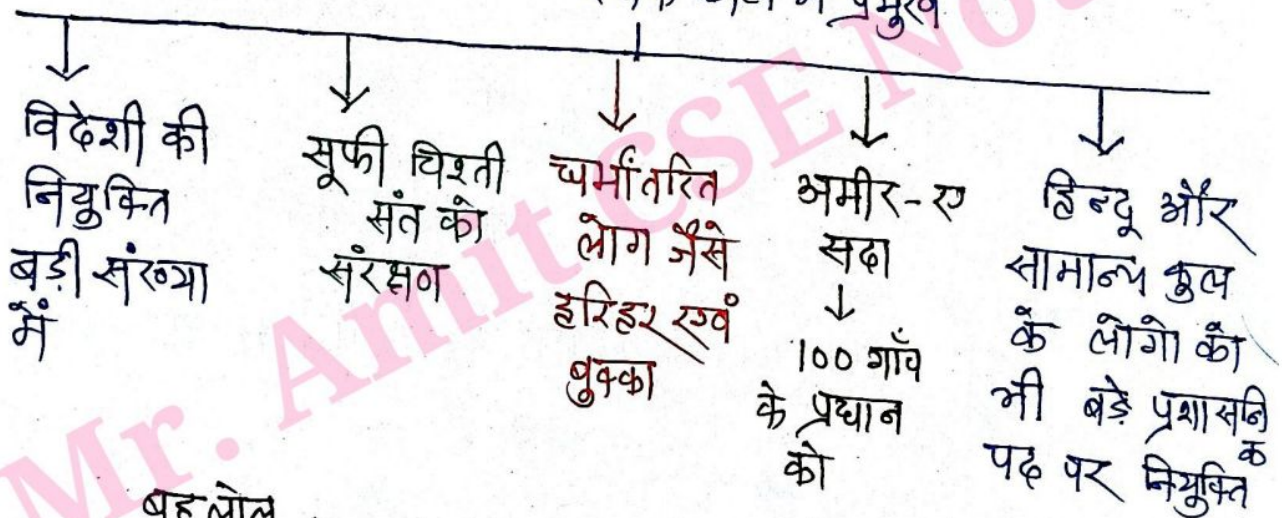
→ तुर्कानर पहलगानी को नष्ट किया

Note → खिल्जी के काल में तुर्की नस्ल की क्षेष्टता की
 ↓ समाप्ति हुई
एक क्रांति का काल

मौहम्मद बिन तुगलक

इसके काल में अमीर वर्ग या नौकरशाही सामाजिक आधार बढ़ा

इसके काल में प्रमुख



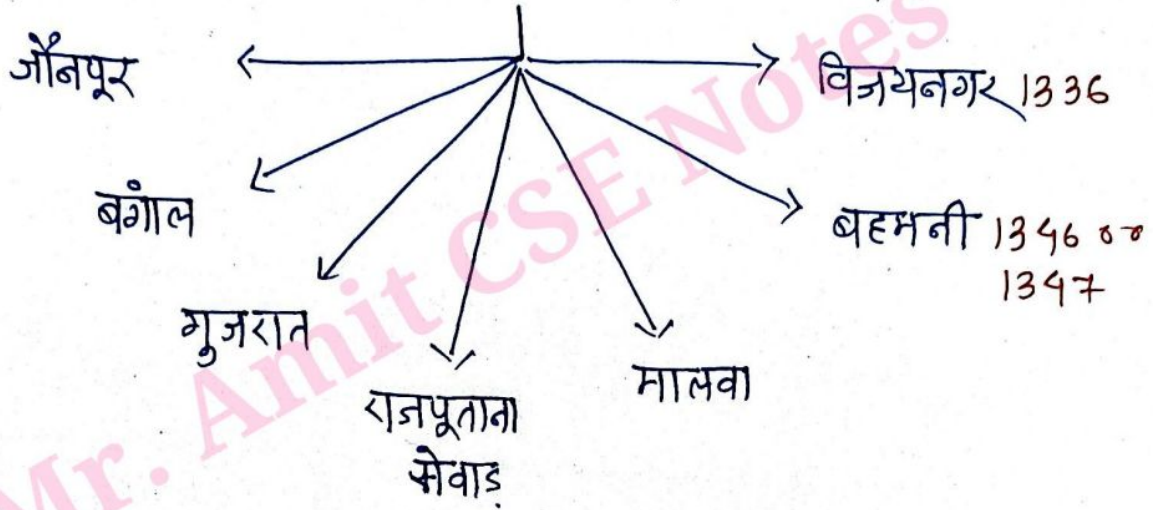
* पहलोल लोदी → पहला अफगान सुल्तान था

↓
 उसने सादुलेख परम्परा चलाया

* सिकन्दर लोदी → आगरा शहर बसाया
 गुलरुखी कविता लिखा
 दोहरे शुम्बर प्रणाली प्रारंभ

* इब्राहिम लोदी → इसके समय में दिल्ली का लोदी ने बाबर को भारत पर आक्रमण का न्यौता दिया

दिल्ली सल्तनत के विघटन से उपजे क्षेत्रीय राज्य



Note कश्मीर | ओडिशा | मद्रास सूल्तान) → दिल्ली सल्तनत में शामिल नहीं थे

क्षेत्रीय राज्य

(क्षेत्र)

जौनपुर

(शासक)

इब्राहिम
शाहशकरी

(प्रमुख भुइ)

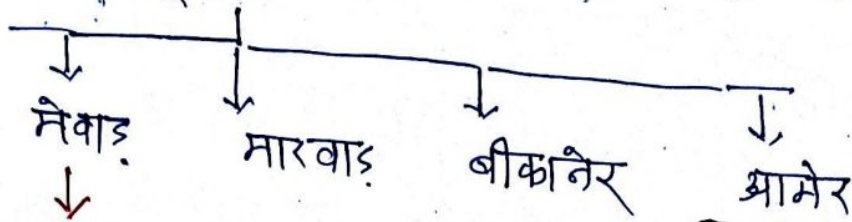
बल्लोल लोदी
ने इसे जिता

(निर्माण)

(कार्य)

(अंत)

(क्षेत्र) → राजपूताना



1. "कुम्भा" ने विजय स्तम्भ बनवाया।

मालवा सुल्तान को हराकर

9 मंत्रित

→ 32 दूर्गों का निर्माण

→ कुम्भलगढ़ का दुर्ग

→ कुम्भा को संगीत राज कहा गया एवं संगीत प्रिय

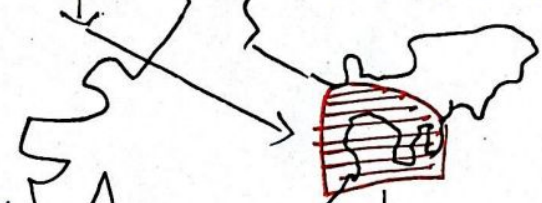
→ रसिक प्रिय → "गीत गोविन्द" पर टीका है

इसकी रचना जयदेव ने की

10 अवतारों का पहला अवलम्बित क्रम मिलता है।

(सेन वंश) → महमण सेन के परिवार में रहते थे

बौर मन्त्र



सेन वंश साम्राज्य

• गुप्त काल - वराह चित्रण - "उदयगिरी" मूर्ति का गुप्ता

• प्रतिघातो ने वराह को मानने से

वाला दिखाना → राजकीय चिन्ह

वराह

सिक्कों पर अकन वराह का

मन्दिर भोज अपने आप को

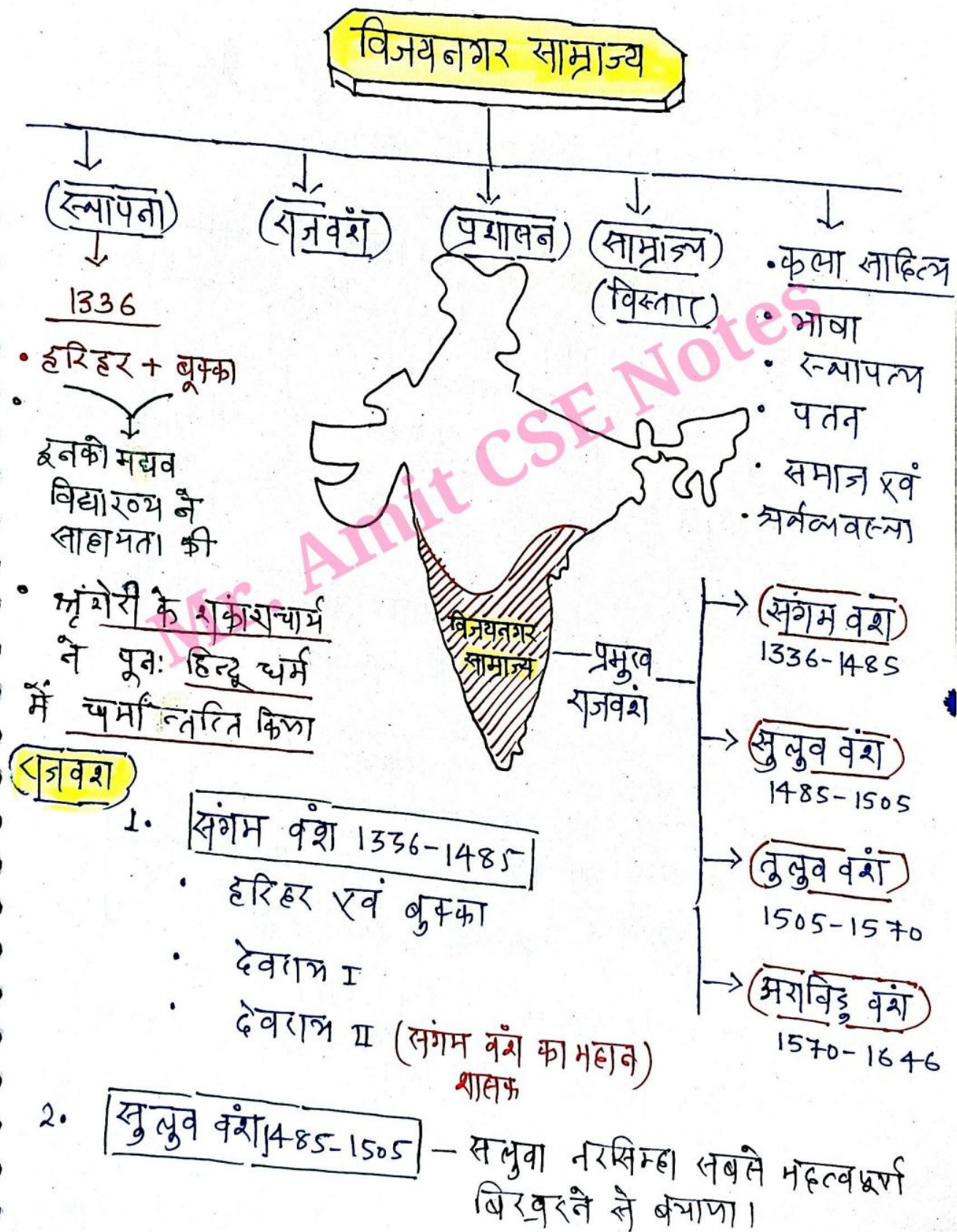
अदि वराह कहा

अलबोरा कहा इसे

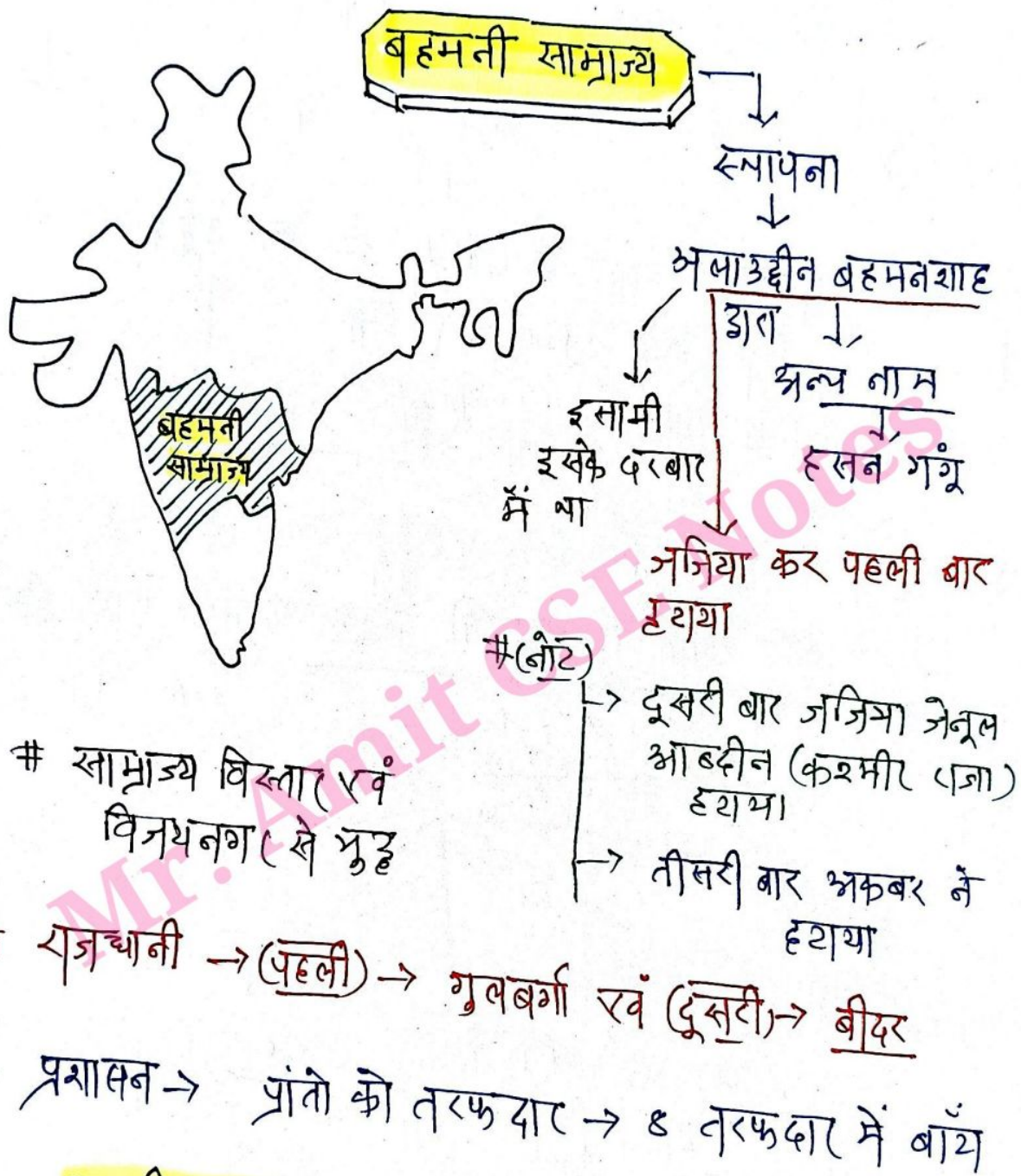
• गुप्तों का राजकीय चिन्ह गरुड़

सूलेमान अरब यारी

UPSC/PCS CH-5 विजयनगर साम्राज्य



UPSC/PCS CH-6 बहमनी साम्राज्य



बहमनी साम्राज्य प्रमुख शासक

- बहमन शाह → गुलबर्गा का दुर्ग बनवाया था
- मुहम्मद शाह → गुलबर्गा का जामा मस्जिद बनवाया था।

UPSC/PCS CH-7. मुगल काल

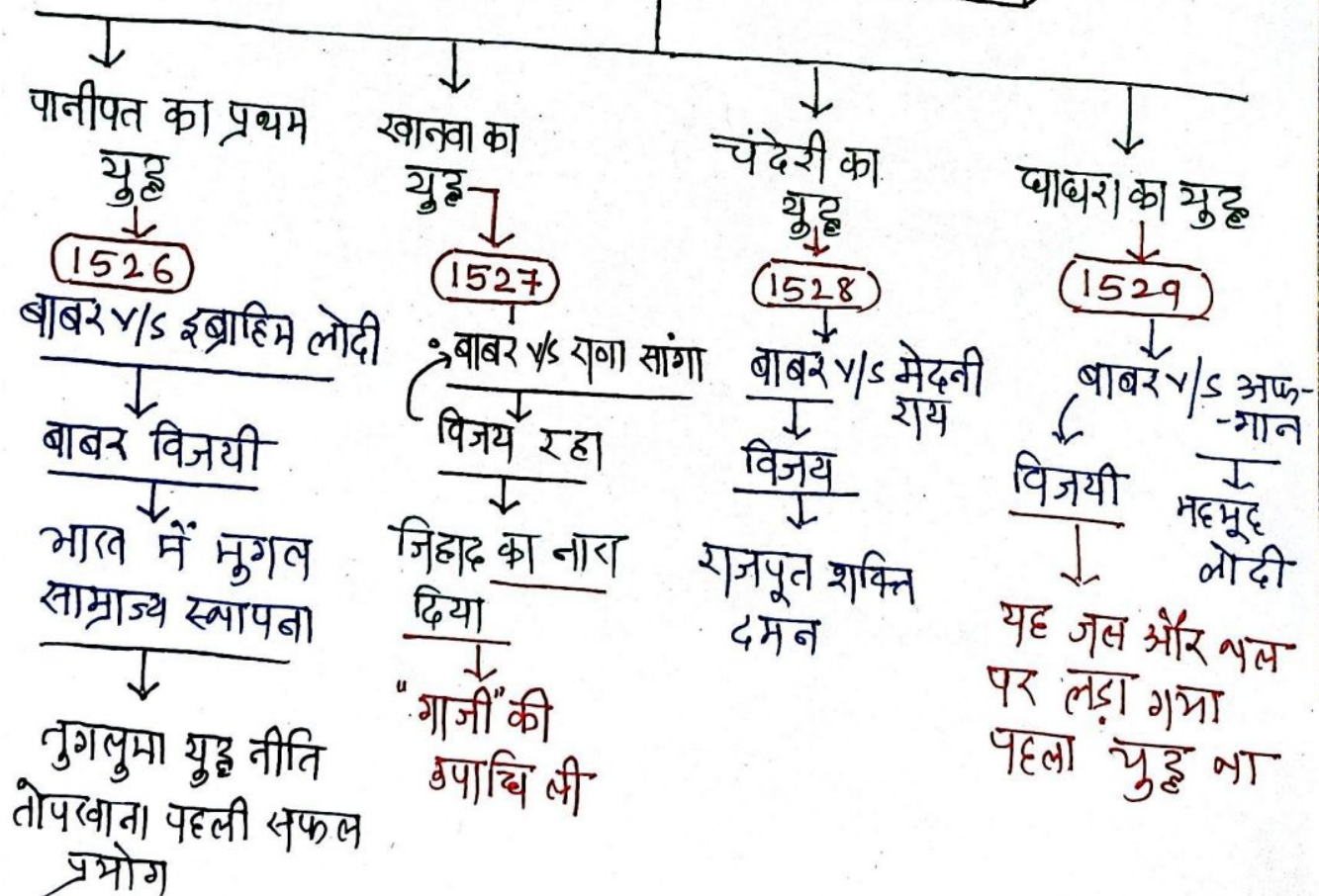
"मुगलों का आगमन और बाबर"

1526-1530



- मुगल मूलतः मध्य एशिया के चंगतई तुर्क थे
- (बाबर)
 - पितृ पक्ष → तैमूर वंशज
 - मातृ पक्ष → चंगेज खान वंशज

महत्वपूर्ण युद्ध बाबर का क्रमानुसार



अकबर 1556-1605

अकबर के काल में मुगल

मुगल साम्राज्य का वास्तविक विस्तार और संस्थागत विकास हुआ।

साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण किया

(अकबर का साम्राज्य विस्तार)

पानीपत II

भुले

हमयूँद शाह

मालवा

बाजबहादुर

को हराया

ना

एवं पानी सम्पत्ति
ले विवाह

गढ़कटंगा

यानी दूर्गावती

जबलपुर

चित्तौड़

राजभाभीर

बड़ी लैला में
यजपत राजाओं ने
अकबर की अधीनता
स्वीकार किया।

गुजरात जीता

1572 ई

बुलदेवराज

निर्माण कराया

कश्मीर | फावल | सिंध | बलुचिस्तान | कांधार

• हल्दी घाटी

• एवं प्रोडिशा

North Western

Frontier Province

अकबर का

(दक्षिण)

(खानदेश)

एवं (अहमदनगर) का एक हिस्सा

नोट-→ असम एवं मेवाड़ अकबर के अधीन नहीं आया।

अकबर की राजपूत नीति

लेन

राज्य की सम्पत्ति

• अकबर के समय
कुछवाहा राजपूत
सबसे बेहतर
स्थिति में थे।

देन

- अधीनस्व राजा रहने दिया
- मनसबदार में जगह दिया
- धार्मिक सांस्कृतिक स्वतंत्रता संरक्षण
- वतन जागीर
- राजपूत सेना टूकड़ी
- वैवाहिक संबंध पर बाध्य नहीं

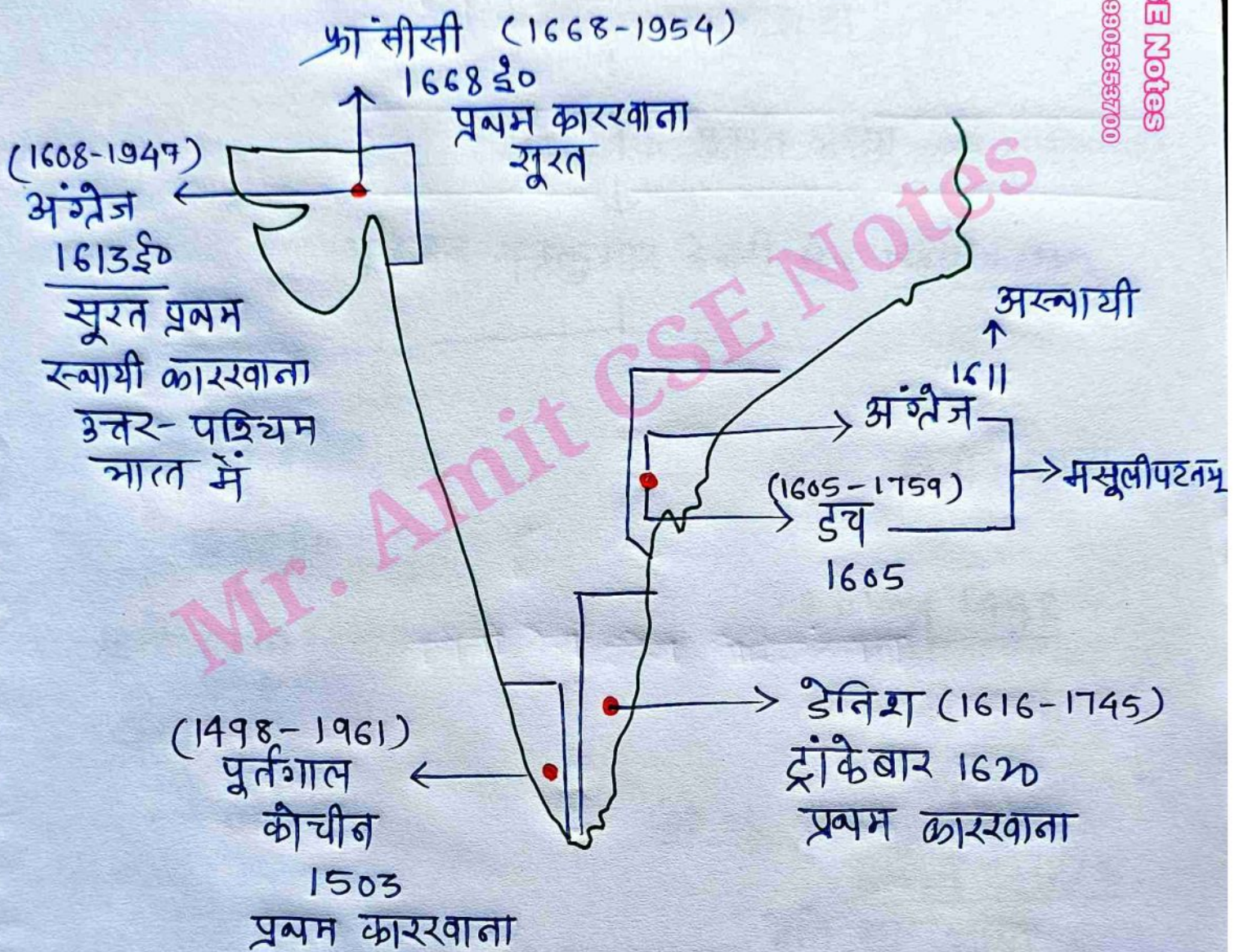
• 1580 के बाद 500+ सबसे ज्यादा राजपूत मनसबदार
ही नियुक्त हुए एवं 1590 के सबसे
ज्यादा बर्क थे।

• राजपूत नीति + धार्मिक नीतियों में अंतर्संबंध था

अकबर पश्चिमोत्तर की नीति

- अपने पूर्वजों के प्रदेश अब्दुल मल्लिक एलिजा जीतने में रुचि नहीं
- एक सुरक्षात्मक नीति थी
- उजबेक और शफाविद का शक्ति संतुलन चाहता था
- कंधार पर नियंत्रण कर मध्य एशिया / फारस हमला डार बंद किया

भारत में यूरोपिय कंपनी की प्रथम फैक्ट्री



सबसे पहले ←
आए 1498

पुर्तगाल 1498-1961 → सबसे बाद में
गर

Mr. Amit CSE Notes

Whatsp 9905653700

"यूरोप में पुनर्जागरण"



वैज्ञानिक प्रकृति आया



पुर्तगाल राजकुमार हेनरी the Navigator



प्रथम प्रयास



1498 ई०



बार्नोलोम्यो डियाज



Cop + hope
of good

द्वितीय प्रयास



20 May 1498



कास्को डी गामा



Cop of good hope
दक्षिण अफ्रीक

कालीकट शासक

जमोरिन द्वारा

स्वागत



अरब व्यापार विरोध

होते हुए भारत

कालीकट पहुँचा

"साहायक"



"गुजराती यात्री अहमद"
इल्ल मजीदी

Company → एस्टादो द इंडिया 1498

← पुर्तगाली प्रशासन

प्रथम
गवर्नर

↓
फ्रांसिस्को डी
अल्डमीरा

↓
प्रथम कैप्टेन

↓
कोचीन कैरल 1503

2nd → कन्नूर कैरल
1505

→ मासाबार
तट में

पुर्तगाल
इस समय

→ शासक → मैनुअल प्रथम

→ राजकुमार → डोन हेनरिक

The Henry Navigator

भारत में स्व समय

↓
दिल्ली
सल्तनत

↓
सिकंदर लोदी

↓
लोदी वंश

↓
विजयनगर
साम्राज्य

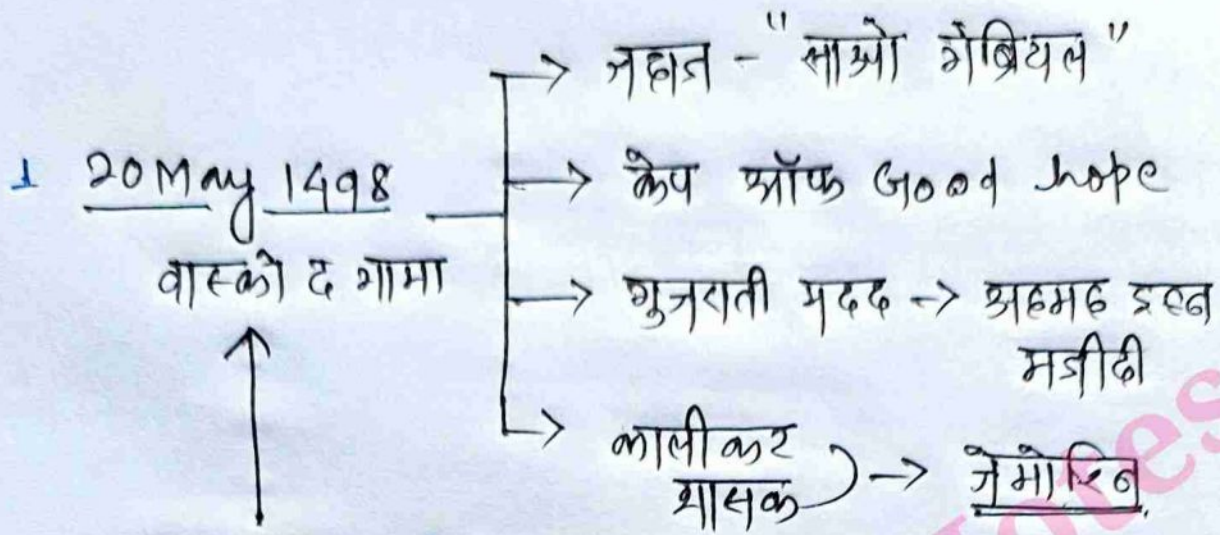
↓
नरसिंह राव II
आलुव वंश

↓
"गुजरात"

↓
महमूद
बेगड़ा
का
शासन

Mr. Amit CSE Notes

Whatsp 9905653700

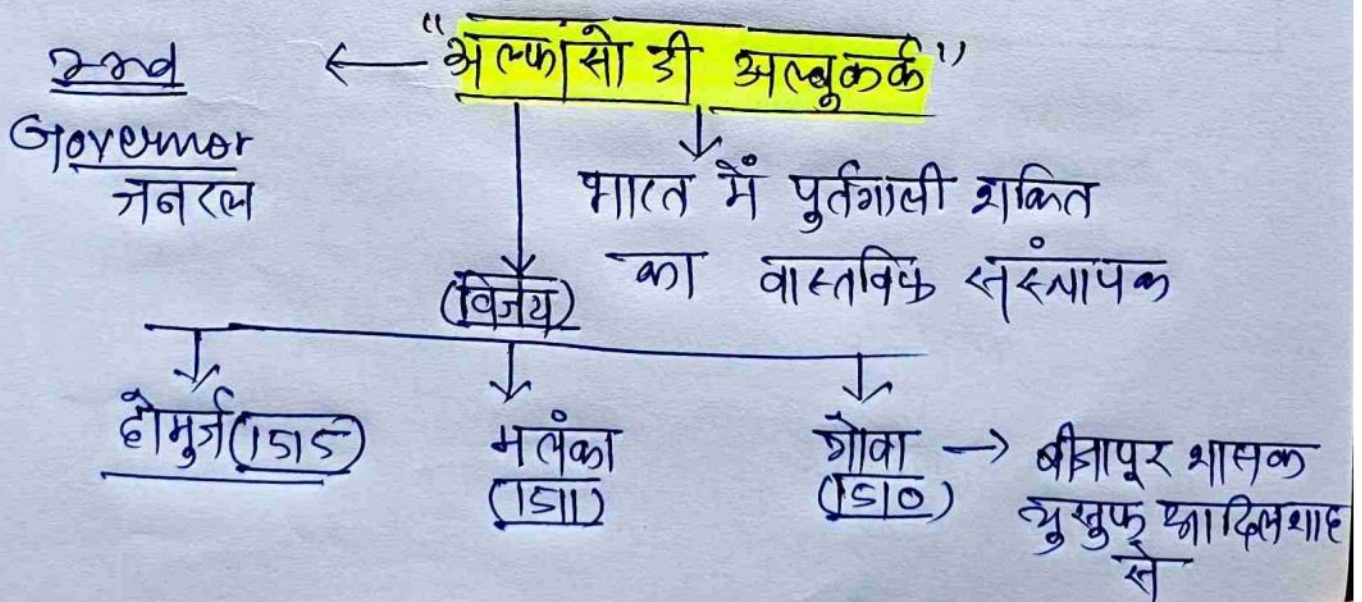
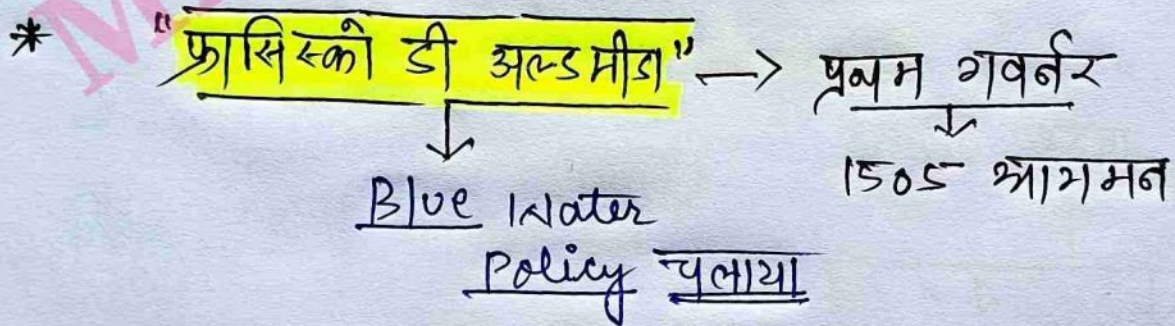


2. अरब व्यापारियों का विरोध हुआ

• काली मिर्य व्यापार 60 गुना मुनाफा

• 1502 दोबार आते आया

"प्रमुख पुर्तगाली गवर्नर"



लोचीन को ← "अल्फांसो-डी-अल्बुकर्क" → यती प्रना पर
 लंद्र बनाया भारतीय महिला के सान विवाह
 नीति अपनाया शोक का प्रयास किया

हुगली एवं सेंट जॉमो में बस्ती बसाया
 "नीनो डी कुल्हा" → "बसीन + डीव पर" अधिकार किया
 गोवा को राजधानी बनाया
 इसके समय बहादुर शाह गुजरात शासक की मृत्यु

प्रथम प्रिटिंग प्रेस
 1556 में
 पुर्तगाल का योगदान
 जहाज निर्माण कला
 (फसले)
 तंबाकू लाल मिर्च पपीता आलू मक्का टमाटर
 अमरुद कहवा
 ईसाई धर्म
 प्रथम चर्च 1510
 सेंट जॉमस केरल → गोमिक स्थापना कला उदाहरण
 अनानस अल्फांसो आम

टीपू की नीतियाँ

"आर्थिक"



- कैलेंडर सिक्के और माप तौल
- कुछि सुधार
- व्यापार सुगमता
- राजस्व सुधार

सैनिक



- सैनिक आधुनिकरण
- शस्त्रगार

कूटनीति

Diplomacy



• ब्रिटिश प्रतिकूल

1. फ्रांस | तुर्की | अफगान में दूत भेजे अपने

2. फ्रांस से बेहतर संबंध

→ 1. जागीर प्रथा उन्मूलन

→ 2. सामंतों पालीगारों की शक्तियों को सीमित किया

→ 3. तृतीय युद्ध के बाद राजस्व 30% वृद्धि

(अन्य) नीतियाँ

- > व्यापारिक सहिष्णुता
- > ^{Tempo} अंग्रेजी मंदिर को दान और देवी शारदा की मूर्ति की स्थापना

जीरंगपट्टनम् में स्वतंत्रता वृक्ष लगाया। 1794 फ्रेंच साहजता से।

CH-3

मराठा में ब्रिटिश शासन की स्थापना

तथा पंजाब एवं अवध

प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध 1775-82

द्वितीय आंग्ल मराठा युद्ध 1803-05

तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध 1817-19



मराठा शक्ति

छत्रपति

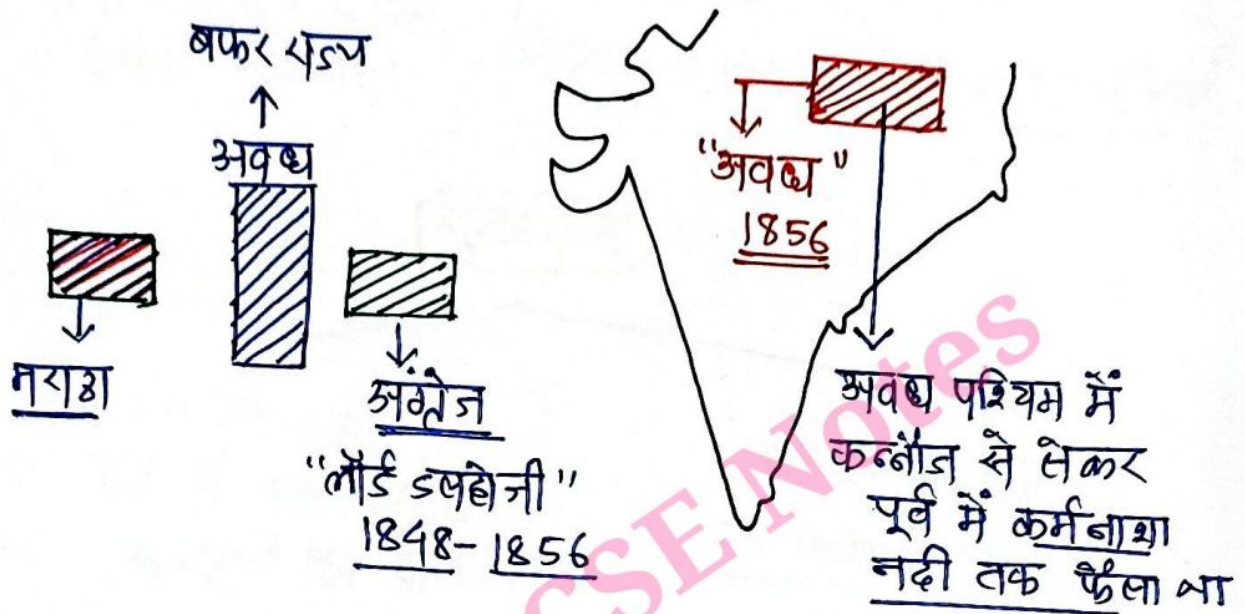
1. शिवाजी संस्थापक
- ↓
2. संभाजी
- ↓
3. राजाराम और ताराबाई (शिवाजी II)
- ↓
4. शहू (1707-49)
- ↓
5. राजाराम द्वितीय

इसने शक्ति
आगे
बालाजी विश्वनाथ
को दिया

पेशवा

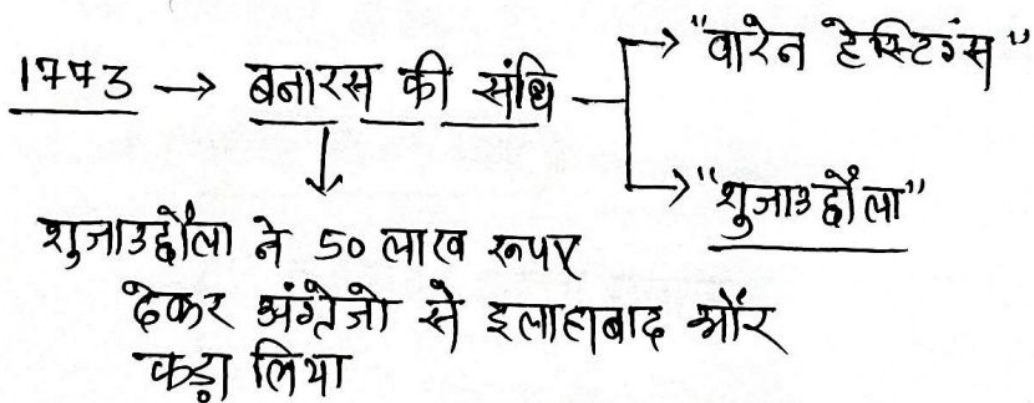
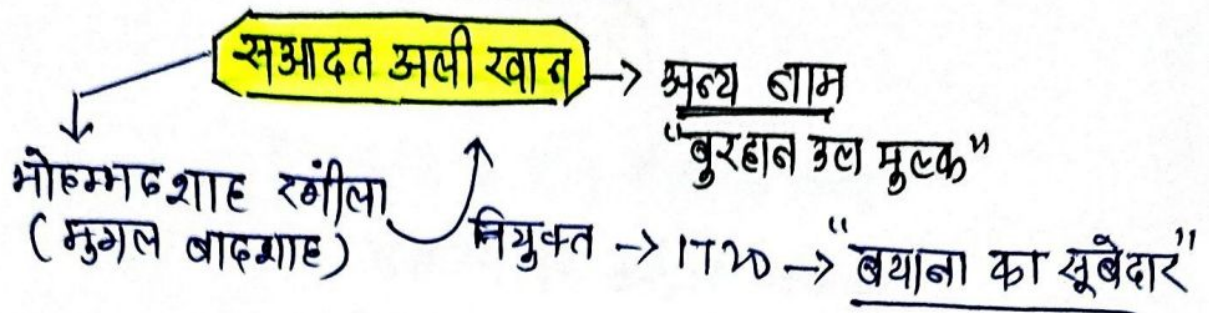
1. बालाजी विश्वनाथ
- ↓
2. बाजीराव I
- ↓
3. बालाजी बाजीराव (लाल साहेब)
- ↓
4. माधवराव
- ↓
5. नारायण राव
- ↓
6. माधवराव नारायण II
- ↓
7. बाजीराव II अंतिम

" अवध में ब्रिटिश शासन की स्थापना "



अवध के प्रमुख नवाब

1. सआदत अली खान → अवध का संस्थापक
 2. सफदरजंग
 3. शुजाउद्दौला
 4. आसफ-उद्दौला
 5. सआदत अली खान II
 6. गाजीउद्दीन हैदर अली खान
 7. वाजिद अली शाह
- उपाधि → बुरहान उल मुल्क
राजधानी → "फैजाबाद"



- 1839 ई० देवेन्द्रनाथ टैगोर ने जोरासांकी (कलकत्ता) में 'तत्त्वबिनी सभा' की स्थापना की थी।
- ब्रह्मचर्म नामक एक धार्मिक पुस्तिका का संकलन किया गया
- केशवचंद्र सेन ने इंडिया मिरर तथा सुषम सामाचार पत्र का संपादन किया।

स्वामी दयानंद सरस्वती

Swami Dayanand Saraswati

Mr. Amit CSE Notes
Whatsapp 8905653700

- स्वामी दयानंद सरस्वती → मूल नाम - मूल शंकर वास्तविक नाम
- जन्म → 12 February 1824
- मृत्यु → 1853 अमेर में → स्नान - मोरवी जनपद सोराष्ट्र
- गुरु → स्वामी विरजानंद मथुरा
- संस्था → आर्य समाज 1875
- नारा → वेदों की ओर लौट चला
- क्षेत्र → उत्तर भारत का मार्गदर्शक

(2)

- 1813 → ECI की एकतरफा मुक्त व्यापार नीति
- कंपनी द्वारा कृषि सुधार की उम्मेद
- भारतीय स्वनिर्ज संसाधन एवं
सस्ता मजदूरी
- भारतीय शहरी हस्तशिल्प
व्यापार में अकल्पनीय क्षति
- अंग्रेजी उद्योग चंचो का विकास
- भारत में किसी नए उद्योग की स्थापना
न करते हुए, छोटे उद्योग को भी
समाप्त कर दिया

राजनैतिक कारण

- प्रभावी नियंत्रण
- साहायक संधि
- आपगत का सिद्धान्त
- अन असंतोष एवं विप्लव को बढ़ावा

प्रशासनिक कारण

- कंपनी प्रशासन में व्याप्त अप्रशिक्षित असंतोष का मुख्य कारण था
- भारतीय की नजर में ब्रिटिश शासन का चरित्र विदेशी शासन का था।
- पुलिस
- निम्न अधिकारी
- अधीनस्थ अकालते

सामाजिक चार्मिक कारण

- भारतीयों के सार्वजनिक व्यवहार काले-गौरे का भेद, एवं गुलामी
- अंग्रेजों खुद को श्रेष्ठ एवं भारतीयों को हीन समझते थे।
- प्रोग्रेस की जगह चर्म (ईसाइयत) को पद का आधार बनाया गया
- ईसाई चर्म का अत्याधिक प्रचार-प्रसार एवं भारतीयों को चर्म बल्ल होने का भ्रम

बाहरी घटनाओं का प्रभाव

प्रथम अंग्ल
अफगान युद्ध
1838-42

पंजाब युद्ध
1845-49

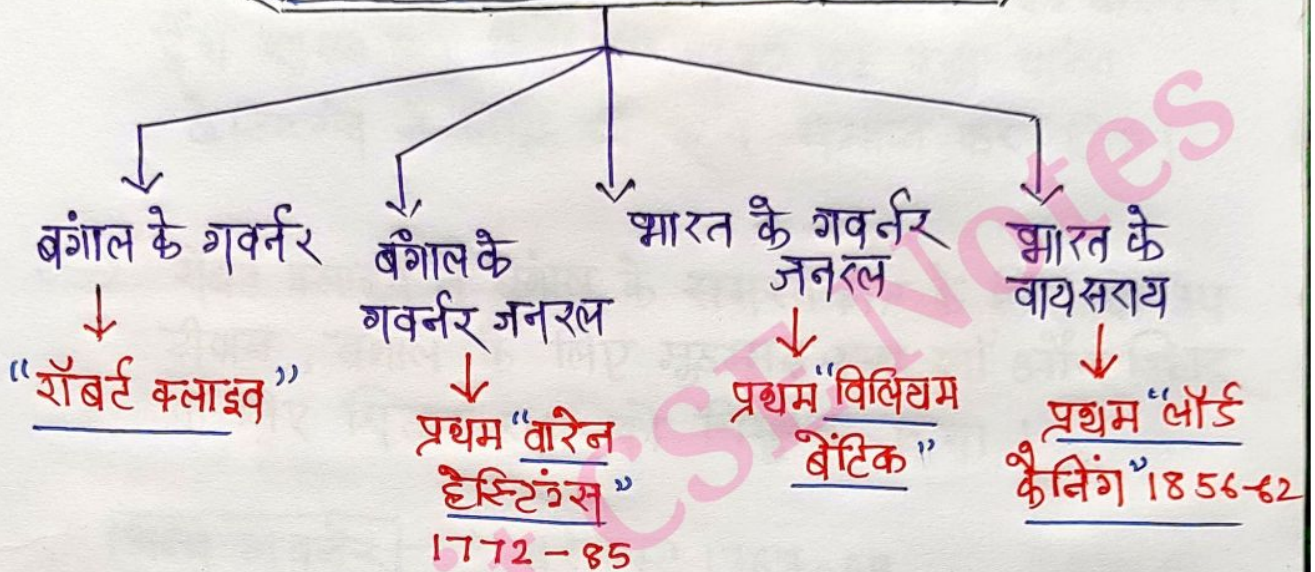
क्रीमिया युद्ध
1854-56

अंग्रेजों को भारी क्षति

भारतीयों को आत्मविश्वास आया

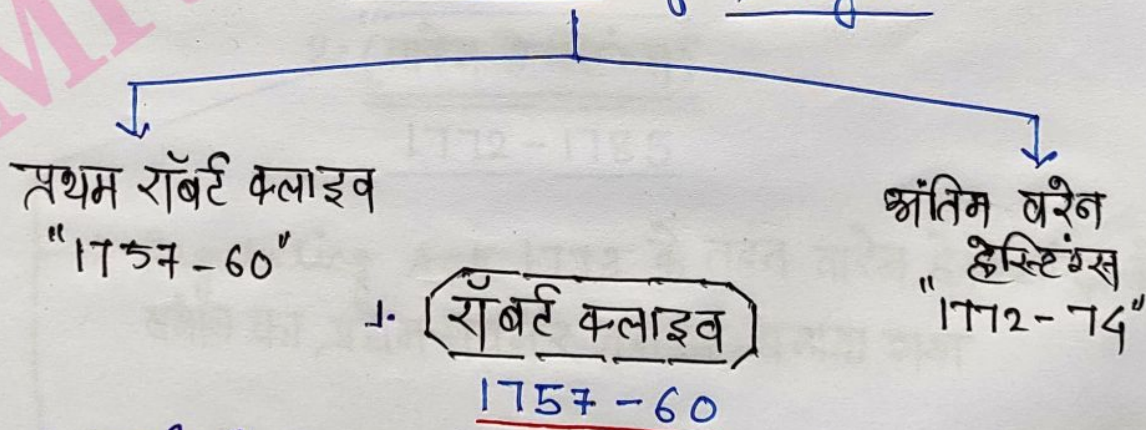
CH-7

कंपनी के अधीन गवर्नर जनरल



बंगाल के गवर्नर

"Governor of Bengal"



1. शॉर्ट क्लाइव
1757-60

- प्लासी की विजय 1757 के बाद शॉर्ट क्लाइव को बंगाल का प्रथम गवर्नर बनाया गया।

→ बक्सर के युद्ध में सफलता के बाद मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय से 1765 में दिल्लीवाद की संधि तथा बंगाल बिहार उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हुई

→ क्लाइव ने बक्सर के युद्ध में सफलता के बाद 1765 बंगाल में द्वैध शासन लागू किया जो 1772 तक रहा वारेन हेस्टिंग्स ने अन्तिम ही इसे समाप्त कर दिया।

→ रॉबर्ट क्लाइव ने बंगाल के समस्त क्षेत्र के लिए दो उप दीवान , बंगाल के लिए मुहम्मद रजा खाँ और बिहार के लिए शिवाजी राय को नियुक्त किया।

अन्त्य गवर्नर → बरेलास्ट 1767-69
→ कार्टियर 1769-72
→ वारेन हेस्टिंग्स 1772-74

2. “(वारेन हेस्टिंग्स)”

1772-1785

- Regulating Act 1773 के तहत वारेन हेस्टिंग्स को बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल बनाया गया
- वारेन हेस्टिंग्स ने राजकीय कोषागार को मुर्शिदाबाद से हटाकर कलकत्ता लाया।
- 1772 में बंगाल में ~~द्वैध~~ द्वैध शासन को समाप्त कर दिया।

4. लॉर्ड नार्थब्रुक → पंजाब में कृषि आंदोलन हुआ
1872-1876

↓
इसी के समय में स्वेज नहर खुल जाने से भारत में एवं ब्रिटेन के बीच व्यापार में वृद्धि हुई।

5. लॉर्ड लिटन → बंबई, मद्रास, हैदराबाद, पंजाब, महाराष्ट्र, भारत
1876-1880 → अथानक आकाश आभा

→ रिचर्ड स्ट्रेची की अध्यक्षता में 1878 में एक विकास आयोग की नियुक्ति की

→ 1 January 1877 को ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया को कैसर - ए - हिन्द की उपाधि से सम्मानित करने के लिए दिल्ली दरबार का आयोजन किया।

→ मार्च 1878 में लिटन ने भारतीय समाधारण Act अर्थात् वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट पारित कर दिया

→ इसी के समय में सन 1878 ई० को भारतीय शस्त्र Act पारित हुआ, जिसके तहत शस्त्र रखने एवं व्यापार करने के लिए लाइसेंस को अनिवार्य बना दिया गया

→ इसने सिविल सेवा परीक्षा Age 21 वर्ष निम्नलिखित निर्धारित अधिकतम 21 घण्टा 19 की वर्ष की

→ 1857 में सिविल सेवा Exam में सम्मिलित होने की आयु 23 वर्ष निर्धारित की थी।

→ लिटन ने अलीगढ़ में एक मुस्लिम-एंग्लो ग्रंथ महाविद्यालय की स्थापना की।

6. लॉर्ड रिपन
1880 - 1884

→ वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट को 1882 में समाप्त कर दिया

→ प्रथम वास्तविक जनश्राना 1881 में रिपन के काल में

→ रिपन काल को स्थानीय स्वायत्ता शासन के जन्म का काल माना जाता है।

→ 1882 ई० में हॉटर कमीशन का गठन किया गया जो प्राथमिक शिक्षा से संबंधित था

→ फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने रिपन को भारत के उद्धारक की संज्ञा दी।

→ डलबर्ट बिल विवाद 1884 में रिपन के समय हुआ था इस बिल के अनुसार अब भारतीय न्यायाधीश यूरोपीयों के विरुद्ध मुकदमों की सुनवाई कर सकता था, लेकिन यूरोपवासियों के विरोध के कारण वापस लेना पड़ा इसे स्वत विद्रोह भी कहा गया।

→ इसने सिविल सेवा परीक्षा अधिकतम Age limit 19 से बढ़ाकर 21 वर्ष कर दिया।

- स्वतंत्र भारत का प्रथम गवर्नर-जनरल लॉर्ड माउण्टबेटन हुए।

सी० राजगोपालाचारी

"1878-1972"

- भारत के अंतिम गवर्नर जनरल तथा प्रथम एवं अंतिम भारतीय गवर्नर जनरल।
- 26 Nov 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत का संविधान अंगीकृत किया गया तथा 26 January 1950 की लागू हुआ।
- गवर्नर जनरल का पद समाप्त कर डॉ० राजेंद्र प्रसाद को भारत राष्ट्रपति नियुक्त किया गया।

CH-8

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन

INDIAN NATIONAL MOVEMENT

"Revolution"
क्रांति



→ किसी व्यवस्था अथवा प्रणाली में
आमूल-चूल परिवर्तन

क्रांतिकारी आंदोलन → ब्रिटिश उपनिवेशवादी साम्राज्य को
केवल हिंसक साधनों का प्रयोग करके
ही समाप्त किया जा सकता है।



आदर्श वाक्य तिलक द्वारा



" अनुनय - विनय नहीं बल्कि युयुत्सा "

- प्रमुख केंद्र → पंजाब
→ बंगाल
→ महासप्तर

कैलिफोर्निया में भारतीय स्वतंत्रता लीग का गठन किया

4. गदर आंदोलन

Gadar Movement

संस्थापक → लाला हरदयाल → महासचिव

• "गठन" → 1 नवंबर 1913 → सैनफ्रांसिस्को का
श्रुगांतर आश्रम अभिरुका

• अध्यक्ष → सोहन सिंह भाकना

हिंदुस्तान एसोसिएशन ऑफ द पैसिफिक
कोस्ट के संस्थापक

• अन्य सदस्य → रामचंद्र

• बरकातुल्ला

• शस बिहारी बोस

• उद्देश्य कार्य

• यजना महेंद्र प्रताप

• अब्दुल रहमान एवं मैडम मीकजी कामा

↓
क्रांतिकारी विचारों का प्रसार

• सामाचार पत्र → गदर / हिंदुस्तान गदर Weekly

भाषा
Language

→ • अंग्रेजी • गुजराती

• उर्दू

• पारखून

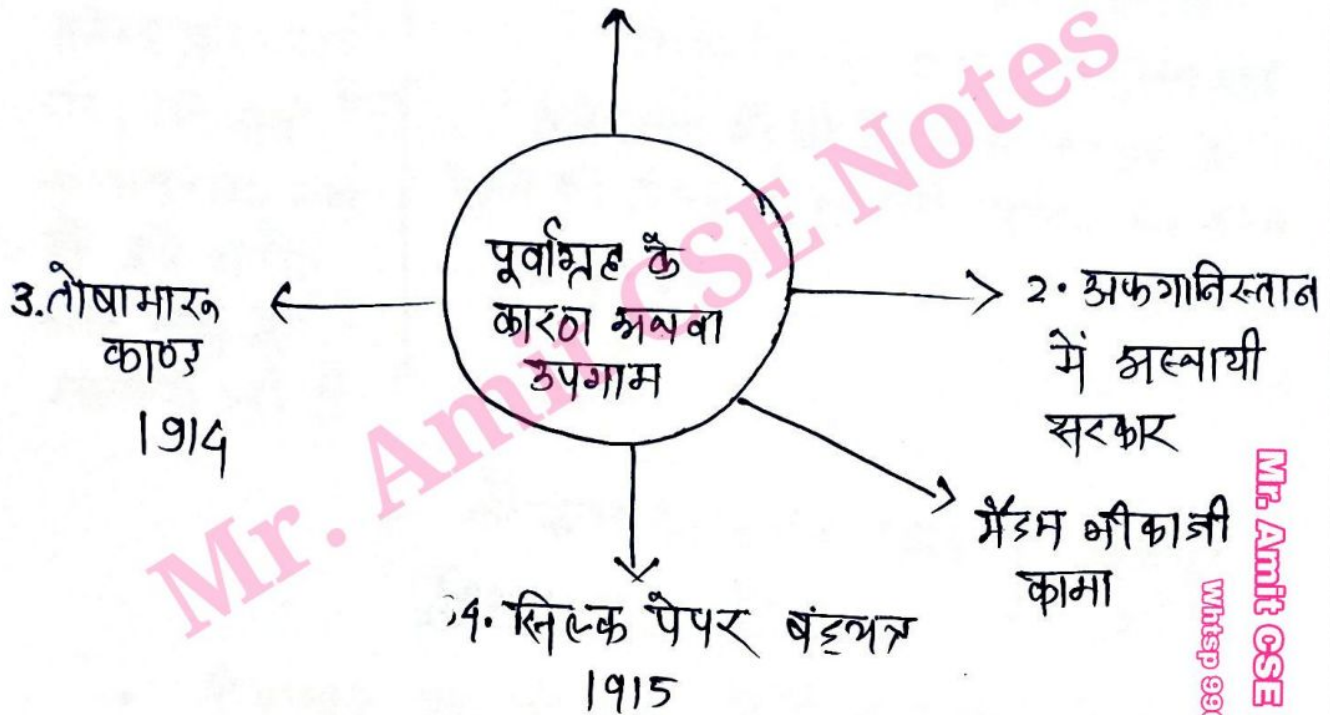
• मुलभुखी

• मराठी

• हिन्दी

3. विदेशों में अन्य क्रांतिकारी Other revolutionary movement abroad

1. कामागायामारु केस 1914



Mr. Amit CSE Notes
Whatsapp 9905653700

1. कामागायामारु केस

- कामागायामारु एक जापानी जहाज था जिसे पंजाब के गुरुदत्त सिंह ने March 1914 में हांग कांग के एजेंट से किराए पर लिया था।
- कनाडा सरकार ने उन सभी भारतीयों पर कनाडा में घुसने पर प्रतिबंध लगा रखा था, जो भारत से भारत सीधे कनाडा न आए थे।